राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 191 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 02 मई 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

कार और लॉरी में जबरदस्त भिड़ंत, एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौके पर मौत

कन्नूर। केरल के कन्नूर में देर रात एक कार और लॉरी की टक्कर में एक बच्चे सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि सभी मृतक कार में सवार थे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सी सुधाकरन (52), उनकी पत्नी अजिता (35), उनके ससुर के कृष्णन (65) और अजित (अजीता के भाई) के बेटे आकाश (9) एवं कासरगोड के कालीचानाडुकम के कार चालक के.एन. पद्मकुमार (59) के रूप में हुई है। यह परिवार कासरगोड जिले के चित्तरिक्कल के पास भीमनदी का रहने वाला था। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए परियाराम के कन्नूर मेडिकल कॉलेज में रखा गया। यह दुर्घटना देर रात लगभग 2245 बजे पुन्नाचेरी पेट्रोल पंप के पास हुई। यह परिवार कार से कोझिकोड में सुधाकरन के बड़े बेटे सौरव से मिलकर अपने घर लौट रहा था, तभी उनकी कार कन्नूर की ओर जा रहे एलपीजी से भरे ट्रक से टकरा गयी।

पन्नू साजिश मामले पर अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट को भारत ने बताया निराधार

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका में एक मीडिया आउटलेट द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की कथित साजिश से जुड़े गंभीर मामले पर अनुचित और निराधार आरोप लगाए गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, यह रिपोर्ट एक गंभीर मामले पर अनुचित और निराधार आरोप लगाती है। उन्होंने कहा, संगठित अपराधियों, आतंकवादियों और अन्य के बारे में अमेरिकी सरकार द्वारा शेयर की गई सुरक्षा चिंताओं की पड़ताल के लिए भारत सरकार द्वारा गठित उच्च-स्तरीय समिति की जांच चल रही है। ऐसे में इस प्रकार की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां उचित नहीं हैं। वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के एक अधिकारी विक्रम यादव ने अमेरिका स्थित अलगाववादी नेता को मारने के लिए किराए की टीम को निर्देश दिया था।

विधानसभा के बाद लोकसभा में अपनी आवाज को बुलंद करने के लिये बेताब हैं 14 राजनेता

पटना। बिहार विधानमंडल के निचले सदन विधानसभा में अपनी आवाज को बुलंद कर चुके 14 राजनेता इस बार संसद के निचले सदन लोकसभा में अपनी आवाज को बुलंद करने के लिये बेताब हैं। लोकसभा चुनाव रण 2024 में अलग-अलग राजनीतिक पार्टी के विधायक, सांसद बनने के लिये बेताब हैं। इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) के घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नौ विधायक सांसद बनने के लिये चुनावी रण में उतरे हैं।

बनासकांठा में कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

400 जीतने वाले 40 पर आ गए,राहुल को दी खुली चुनौती

बनासकांठा/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के बनासकांठा में कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए उनसे लिखित में देने को कहा कि वे भारत के संविधान को कभी नहीं बदलेंगे और धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। उन्होंने कहा, ' 'मैं कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी) को खुली चुनौती दे रहा हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो घोषणा करें कि आप कभी भी धार्मिक आधार पर कोटा नहीं देंगे और न ही कोटा प्रणाली का दुरुपयोग करके संविधान बदलेंगे। मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनकी मंशा साफ़ नहीं हैं। पीएम मोदी ने कर्नाटक की ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर दिया और ओबीसी कोटे का एक हिस्सा दे दिया। उन्होंने कहा कि इसे लिखित में दें ताकि आपको भविष्य में जवाबदेह ठहराया जा सके। उन्होंने कांग्रेस से यह भी लिखित में देने को कहा कि आप एससी, एसटी ओबीसी कोटा के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, मैंने इस देश की क्षमता देखी है, जिसके आधार पर मैं अपनी गारंटी देता हूं। मेरी गारंटी खोखले वादे नहीं हैं। वे मेरे अनुभव और भारत की प्रतिभा की समझ से उपजे हैं, जो मुझे विश्वास दिलाता है कि हम क्या हासिल कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि तीसरी बार जब हमारी सरकार बनेगी तो अगले 100 दिन में मुझे क्या करना है- अभी से ही मैंने प्लान तैयार कर लिया है। उन्होंने

कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा के मैदान में आया तो कांग्रेस के पास मुद्दे थे कि ये चाय वाला क्या करेगा... ये मेरी मजाक उड़ाते थे। लेकिन देश ने उनकी इस हरकतों को ऐसा जवाब दिया कि जो कभी 400 सीट लेकर बैठते थे वो 40 सीट पर आ गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने गर्व के साथ पूरे मोदी समाज को, पूरे ओबीसी समाज को चोर कह दिया। यही नहीं, ये मेरे माता-पिता को भी भला-बुरा कहने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने कहा कि अब 2024 में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ऐसा झूठ लेकर फिर से मैदान में आए हैं- संविधान दिखाते हैं, आरक्षण ले लेंगे... इसका डर दिखाते हैं। यही उनका काम है। देखिएगा... इस बार भी ये पहले से कम सीटों में सिमट जाएंगे। पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हुआ और दूसरे चरण में पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। अपना हमला जारी रखते बहुए मोदी ने कहा कि ये मोहब्बत की दुकान लेकर निकले थे, लेकिन इन्होंने मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो का कारोबार खोल दिया है। अब चुनाव में उनकी बातें नहीं चल रही, इसलिए वो फर्जी वीडियो बनाकर फैला रहे हैं। इनकी मोहब्बत की दुकान फेक फैक्ट्री हो चुकी है। हुंकार भरते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की जमात कान खोलकर सुन ले...ये मोदी है, मोदी जब तक जिंदा है- मैं कभी भी धर्म के आधार पर आरक्षण का खेल खेलने नहीं दूंगा।

कांग्रेस लिखित में गारंटी दे कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देगी: मोदी

बनासकांठा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है. इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और उसके गठबंधन में शामिल घटकों को लिखित में यह गारंटी देने की चुनौती दी कि वे ऐसा कभी नहीं करेंगे. गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान से पहले बनासकांठा जिले के दीसा शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जब तक वह और भारतीय जनता पार्टी सत्ता में हैं, तब तक अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति , अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को नौकरियों और शिक्षा में दिए गए आरक्षण की रक्षा की जाएगी. भाजपा के दिग्गज नेता ने जोर देकर कहा, मैं कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी की ओर इशारा करते हुए के साथ-साथ उनकी पार्टी और उसके समर्थकों को चुनौती देता हूं कि वे घोषणा करें कि कभी भी धर्म के नाम पर आरक्षण का दुरुपयोग नहीं करेंगे।

लोकसभा चुनाव

मेनका ने सुलतानपुर सीट से नामांकन दाखिल किया

सुलतानपुर। भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी ने बुधवार को सुलतानपुर लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया. मेनका रोड शो करती हुईं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका ज्योत्सना के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. नामांकन के दौरान मेनका के बेटे वरुण गांधी मौजूद नहीं थे. इस अवसर पर राजग की सहयोगी निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद और अपना दल के नेता व कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल समेत प्रमुख लोग मौजूद थे. नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मेनका ने कहा कि पिछले पांच साल में

जितना विकास हुआ है, उससे ज्यादा काम अगले पांच साल में होगा. उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को घर मुहैया कराना चाहती हैं. विपक्षी दलों के इस आरोप पर कि भाजपा सत्ता में आई तो संविधान में बदलाव कर आरक्षण खत्म कर देगी।

कांग्रेस ने 'गुजरात मॉडल' को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से पूछे कई सवाल

कांग्रेस का 400 रुपये प्रति दिन की राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी का वादा ही है असली 400 पार-जयराम...

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर अपनी 'श्रमिक न्याय' गारंटी दोहराते हुए कहा कि 400 रुपये प्रति दिन की राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी देने का उसका वादा ही असली '400 पार' है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने श्रमिकों के लिए पार्टी की गारंटियां गिनायीं और आरोप लगाया कि पिछला 10 साल उनके लिए 'अन्याय काल' रहा है. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के न्याय पत्र की 'श्रमिक न्याय' गारंटियों को याद करना बिल्कुल उपयुक्त है. गारंटियों की विस्तार से चर्चा करते हुए रमेश ने कहा कि

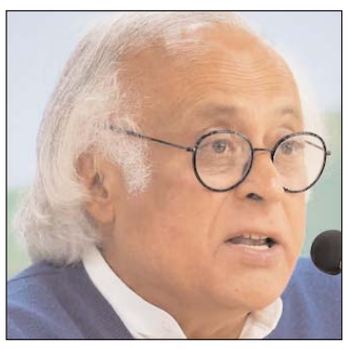

कांग्रेस ने 400 रुपये प्रति दिन की राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी के साथ 'श्रम का सम्मान' करने का वादा किया है और उनमें मनरेगा के मजदूर भी शामिल हैं. रमेश ने यहां संवाददाता सम्मेलन में, भाजपा के '400 पार' नारे पर कटाक्ष करते हुए कहा, यह असली 400 पार है.भाजपा लोकसभा चुनाव में राजग के रास्ते 400 सीट हासिल करने के लिए '400 पार' का नारा दे रही है. रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा के '400 पार' के आह्वान का लक्ष्य संविधान को बदलना है. हाथ में संविधान की प्रति लेकर रमेश ने दावा किया कि सन् 1949 (रिपीट) 1949 से यह कोई पहली बार नहीं है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बाबासाहब आंबेडकर के संविधान को बदलने की बात की हो. अन्य 'श्रमिक न्याय' गारंटियां गिनाते हुए रमेश ने कहा कि पार्टी ने मुफ्त जांच, दवाइयां, उपचार एवं सर्जरी के साथ 25 लाख रुपये के सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज सबको स्वास्थ्य अधिकार के तहत देने का वादा किया है.

प्रधानमंत्री बताएं कि क्या वह आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाएंगे : कांग्रेस

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस संबंध में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाएंगे. पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र इस बात की गारंटी देता है कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से एक संवैधानिक संशोधन पारित किया जायेगा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं.

जेपी नड्डा ने अंबेडकर को याद कर कांग्रेस को सुनाया

धार्मिक आधार पर आरक्षण के लिए कोई जगह नहीं.....

शिमोगा। एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा कर्नाटक के शिमोगा में एक बौद्धिक बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को ओबीसी कोटा से 4 फीसदी आरक्षण दिया था। उन्होंने मुस्लिमों के लिए आरक्षण पर टिप्पणी करते हुए मंगलवार को कहा कि बी.आर. अम्बेडकर ने कहा कि धार्मिक आधार पर आरक्षण के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने

कहा, कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस चार बार कानून लेकर आई, जिसके जरिये उसने एससी/एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुस्लिम समुदाय को देने की कोशिश की। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हम मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि संविधान स्पष्ट रूप से कहता है कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होगा, लेकिन ये लोग कांग्रेस धूर्त और विभाजनकारी मंसूबे रखते हैं।' विपक्षी दलों पर 'विभाजनकारी राजनीति' में शामिल होने का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा, 'कुछ दिन पहले एक वीडियो आया था और वे यह धारणा और माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे कि भाजपा एससी/एसटी और ओबीसी के खिलाफ है और अगर हम (भाजपा) सत्ता में आते हैं तो इन समुदायों के लिए आरक्षण खत्म हो जाएगा।'

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या तय, जानें एक दिन में कितने लोग कर पाएंगे दर्शन?

देहरादून। उत्तरखंड में 10 मई से चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री) यात्रा शुरू हो रही है। यात्रा में जाने से पहले हर श्रद्धालु का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। अभी तक उत्तराखंड चार धाम यात्रा के लिए 19 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। पिछली बार लगभग 55 लाख भक्तों ने यहां दर्शन किए थे, इस बार इनकी संख्या और भी बढ़ सकती है। पिछली बार इतनी अधिक संख्या में भक्तों के आने से यहां की व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई थीं। इसीलिए इस बार श्रद्धालुओं की प्रतिदिन की संख्या सीमित कर दी है। पर्यटन सचिव कुर्वे के अनुसार, इस बार एक दिन में अधिकतम 51 हजार भक्त चार धाम की यात्रा कर पाएंगे।

रंजन का वीडियो हुआ वायरल

टीएमसी से अच्छा...बीजेपी को दे दो वोट-अधीर रंजन

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस को वोट देने की तुलना में भाजपा को वोट देना बेहतर है। उनका यह वीडियो खूब वायरल भी हो रहा है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख और बहरामपुर लोकसभा उम्मीदवार चौधरी ने जोर देकर कहा कि यह चुनाव देश का भविष्य तय करने के लिए है और लोगों से धर्मनिरपेक्ष ताकतों को वोट देने

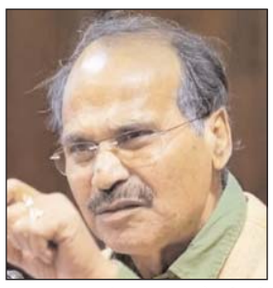

का आग्रह किया। चौधरी ने बंगाली में एक भाषण के दौरान कहा कि कांग्रेस और लेफ्ट का जीतना जरूरी है। यदि वे ऐसा नहीं करेंगे तो धर्मनिरपेक्षता खतरे में पड़ जायेगी। टीएमसी को वोट देने का मतलब बीजेपी को वोट देना है, इसलिए बीजेपी को ही वोट देना बेहतर है। बीजेपी को वोट न दें, टीएमसी को वोट न दें। वहीं, तृणमूल के आधिकारिक एक्स हैंडल द्वारा साझा किए गए कथित वीडियो में में कहा कि सुनें कि कैसे बी-टीम का सदस्य खुलेआम लोगों से भाजपा को वोट देने के लिए कह रहा है - एक ऐसी पार्टी जिसने बंगाल का वाजिब हक देने से इनकार कर दिया और हमारे लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया। केवल एक बांग्ला-बिरोधी ही भाजपा के लिए प्रचार कर सकता है, जिसने बार-बार बंगाल के प्रतीकों का अपमान किया है।

भाजपा न तो आरक्षण हटाएगी और न ही कांग्रेस को ऐसा करने देगी : अमित शाह

कांग्रेस देश में आतंक और नक्सलवाद का पोषण करती रही

कोरबा/संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि भाजपा न तो अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को हटाएगी और न ही कांग्रेस को ऐसा करने देगी. उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और कहा कि चार जून को वह अपनी हार का ठीकरा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर फोड़ने वाली है. शाह कोरबा लोकसभा क्षेत्र के कटघोरा कस्बे में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए देश में आतंकवाद और नक्सलवाद का पोषण करती रही है. शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी का एक सूत्र है- झूठ बोलो, जोर से बोलो, सार्वजनिक रूप से बोलो. वे कहते हैं कि मोदी जी को बहुमत मिलेगा तो आरक्षण हटा देंगे. उन्होंने मेरा एक 'फर्जी वीडियो' प्रसारित किया है. मैं आपको बताना चाहता हूं कि 10 साल से आपके आशीर्वाद से मोदी जी के पास बहुमत है. मोदी ने ना आरक्षण हटाया, ना हटाएंगे. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुमत का उपयोग अनुच्छेद 370 हटाने, राम जन्मभूमि पर मंदिर बनाने, सीएए लागू करने, तीन तलाक समाप्त करने और नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए किया. उन्होंने कहा, मैं आपको मोदी की गारंटी देने आया हूं, जब तक भारतीय जनता पार्टी का एक भी सांसद भारत की संसद में है, एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण को ना हम हटाएंगे, ना ही कांग्रेस

को हटाने देंगे. भाजपा नेता ने कोरबा लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी सरोज पांडेय को वोट देने की अपील की. इस सीट पर सात मई को मतदान है. कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, खरगे साहब! क्यों एक परिवार के लिए झूठ बोल रहे हैं? चार जून (चुनाव परिणाम) को हारने के बाद हार का ठीकरा आप पर ही फूटने वाला है. आपको नहीं पता ये किसी के नहीं होते. खरगे जी बड़ी लंबी सूची है. चार जून को कांग्रेस जैसे ही हारेगी भाई-बहन सुरक्षित रहेंगे, बेचारे 80 साल की आयु के खरगे जी पर ठीकरा फूटेगा. मैं खरगे जी को सलाह देना चाहता हूं कि इस परिवार के लिए आप झूठ मत बोला कीजिए. शाह ने कांग्रेस पर चुनाव में फायदे के लिए देश में आतंकवाद और नक्सलवाद को पनपने देने का आरोप लगाया और कहा,क्या छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त होना चाहिए कि नहीं.देश के अन्य राज्यों में नक्सलवाद की समस्या समाप्त हो गई है. लेकिन छत्तीसगढ़ में भूपेश कक्का (बघेल) की सरकार थी, वह नक्सलवाद को बढ़ावा देते रहे. जैसे ही राज्य में भाजपा की सरकार बनी चार महीने में ही 95 नक्सली ढेर हो गए और साढ़े तीन सौ से ज्यादा गिरफ्तार हुए. उन्होंने कहा कि देश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने से दो वर्ष में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा.

कांग्रेस के भूपेश कक्का की सरकार नक्सलवाद को बढ़ावा देती रही

सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश कक्का की सरकार नक्सलवाद को बढ़ावा देती रही, लेकिन हमारे विष्णुदेव साय की सरकार बनने के बाद चार महीने में ही 95 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। 350 गिरफ्तार हुए और कई ने सरेंडर कर दिया। पीएम मोदी ने झारखंड, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से नक्सलवाद को पांच साल में समाप्त किया है। छत्तीसगढ़ छूट गया था, क्योंकि यहां भूपेश कक्का की सरकार थी। आप मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, दो साल में ही नक्सलवाद को हम जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे। अमित शाह ने कहा, 'अभी 2 चरण के चुनाव हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस राठौर ने अर्जित किए 99.50 फीसदी अंक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर के कक्षा चौथी के छात्र श्रेयस राठौर पिता योगेन्द्र राठौर व माता श्रीमती अंजू राठौर ने वार्षिक परीक्षा में 99.50 फीसदी अंक अर्जित कर अपने विद्यालय सहित परिजनों का नाम रौशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर के प्राचार्य मनोज पाण्डेय एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।

रानितराई में मजदूर दिवस पर सरपंच निर्मल जैन ने किया अनोखा पहल, केक काटकर मजदूरों की बांटी मिठाई

पाटन (समय दर्शन)। आज अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत रानीतराई में मनरेगा के कार्य स्थल पर सभी मजदूर वा ग्राम पंचायत के सरपंच श्री निर्मल जैन जी पंचायत के सभी पंचो की उपस्थिति में नरेगा के सभी बुजुर्ग मजदूरों के द्वारा केक कटवा कर वा महात्मा गांधी के तैलचित्र पर तिलक लगा कर कार्यक्रम शुरूआत किया गया, तत्पश्चात मजदूरों को श्रमिक दिवस क्यों मनाया जाता है,उसके बारे मे बतया गया और उनके कार्य कुशलता व सुविधाओं की जानकारी दी गई । सभी मजदूरों से आने वाले मतदान में भी पूरे मन से वोट देने कीअपील की व ज्यादा से ज्यादा मतदान करने हाथ जोड़ कर समर्थन माँगा।उसके बाद सभी मजदूरों को नास्ता और मुँह मीठा करा कर आशीर्वाद प्राप्त कर कार्यक्रम समापन किया गया।इस अवसर पर नरेगा के मजदूर,मेट सरपंच निर्मल जैन पंचायत के पंच रोजगार सहायक यामिनीविश्वकर्मा, प्रभारी सचिव हिमांशी ,मल्यू कश्यप उपस्थित थे।

बीईओ की पहल पर सेवानिवृत्ति पश्चात् समस्त स्वत्वों का त्वरित भुगतान

सरायपाली (समय दर्शन)। संभागीय संयुक्त संचालक,शिक्षा संभाग रायपुर राकेश पाण्डेय एवं महासमुन्द जिला शिक्षा अधिकारी मोहन राव सावंत के निर्देशन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सरायपाली प्रकाशचंद्र मांझी की पहल पर सेवानिवृत्ति के पश्चात् कर्मचारियों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना न पड़े इसके लिए त्वरित रूप से सेवानिवृत्ति पर देय समस्त स्वत्वों के भुगतान की कार्यवाही पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। इसी तारतम्य में दिनांक 30 अप्रैल 2024 को शासकीय प्राथमिक शाला सेमलिया के प्रधान पाठक के पद से सेवानिवृत्त होने वाले अभिमन्यु राणा के समस्त स्वत्वों के भुगतान के लिए कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी सरायपाली की टीम ने सक्रियता से त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन 01मई 2024 को अवकाश नगदीकरण, जी.आई.एस., एफबी.एफ, जी.पी.एफ का अंतिम भुगतान आदि समस्त स्वत्वों का भुगतान देयक बनाकर ट्रेजरी सरायपाली में अविलंब प्रस्तुत किया गया और देयक की स्वीकृति प्रदान करते हुए ट्रेजरी अधिकारी सरायपाली अनिमेष सिंह द्वारा संबंधित सेवानिवृत्त प्रधान पाठक अभिमन्यु राणा के बचत खाते में राशि का भुगतान भी कर दिया गया है,जो अत्यन्त सराहनीय है। इस कार्य को सफल बनाने में एबीईओ डी.एन.दीवान,स्थापना 01 के शाखा प्रभारी रुपेश महापत्र,स्थापना 02 शाखा प्रभारी निरंजन कोसरिया एवं बीईओ कार्यालय की टीम का विशेष सहयोग रहा।

हाइवा की चपेट में आया अधेड़ मौके पर मौत

पाटन (समय दर्शन)। बुधवार की सुबह तुलसी के पास सिक्स लेन निर्माण में नाइट ड्यूटी का काम करने गए ग्राम फुंडा के अशोक वर्मा हाइवा की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो है। इसकी खबर लगते ही फुंडा के ग्रामीण भारी संख्या में सिक्स लेन कंपनी के कैंप कार्यालय में पहुंच गए और मुआवजा की मांग करने लगे। कुछ देर के लिए ग्रामीण दुर्ग पाटन फोर लेन मार्ग पर चक्काजाम करने भी बैठ गए। लेकिन पुलिस की समझाइस के बाद ग्रामीण शांत हुए और सड़क जाम का निर्णय वापस ले लिया। घटना की खबर लगते ही भाजपा कांग्रेस नेता के साथ कुर्मी समाज के भी लोग पहुंच गए। इन्ही सब लोगो के सामने ही तीन दौर का चर्चा हुआ। जिसमे तीसरे दौर का चर्चा सफल रही। जानकारी

के मुताबिक सिक्स लेन का निर्माण कर रही कंपनी द्वारा 15 लाख रुपए मृतक के पत्नी के बैंक खाता में दिया जाएगा। दो लाख रुपए नगद दिया गया। जो बैठक हुई उसमे मंडल अध्यक्ष लोकमणि चंद्राकर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र साहू, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, कुर्मी समाज के राज प्रधान युगल किशोर आडिल, जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष देवेंद्र चंद्रवंशी, कुणाल शर्मा, जिलेंदे वर्मा, आनंद बघेल, जयनारायण वर्मा, सहित एसडीओपी आशीष बंछोर, नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिंग, सहित मृतक के परिजन मौजूद थे।

60 लाख की मांग पर अड़े रहे ग्रामीण

ग्रामीणों ने मृतक के पत्नी और बच्चे का भरण पोषण के लिए 60 लाख रुपए का मुआवजा की मांग कर रहे थे। पहले दौर की चर्चा में सिक्स लेन सड़क निर्माण करने वाली कंपनी द्वारा उतनी राशि देने में असमर्थता जताई। उसके बाद तीन दौर का ओर बैठक शुरू हुआ। अंत में चर्चा में शामिल जनप्रतिनिधियों और मृतक के परिजनों ने 15 लाख रुपए बैंक खाता में तथा मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता राशि के रूप में 2 लाख रुपए दिए जाने पर सहमति बनी। जिसके बाद सभी लोग शांत हुए।

मृतक के पत्नी और बच्चे मानसिक रूप से कमजोर- ग्रामीणों ने बताया की मृतक घर में अकेला काम करने वाला सदस्य था। मृतक के पत्नी और उसके दो बच्चे है। दोनो बच्चे और पत्नी मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर है। इस कारण अशोक वर्मा के निधन के बाद परिवार में भरण पोषण की समस्या हो जाती। इसे देखते हुए मुआवजे की मांग की गई।

तेज रफ्तार पल्सर बाइक सड़क किनारे नाली में जा घुसी, पिता की मौत, पुत्र गंभीर

पाटन (समय दर्शन)। सुबह करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार पल्सर बाइक एसडीएम कार्यालय के सामने फेरलेन सड़क के किनारे बने नाली में घुस गई। गाड़ी तेज रफ्तार होने के कारण चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। एक घायल हुआ जिसे अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक ग्राम डुंडेरा थाना उतई निवासी प्रेम प्रकाश साहू पिता एकलव्य साहू अपने पूत्र को पल्सर बाइक में बिठाकर पाटन से दुर्ग की तरफ जा रहा था। सुबह करीब 5 बजे तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हुई और सीधे सड़क किनारे नाली में जा घुसी। इससे बाइक चालक प्रेमप्रकाश साहू की सिर पर गंभीर चोट आई। जिससे की उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी में पीछे बैठे प्रेम प्रकाश के बेटा को गंभीर चोट लगी। जिसका उपचार जारी है। पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मर्ग कायम कर कार्रवाई कर रही है।

मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों ने ली मतदान करने की शपथ

हाथो में पोस्टर थामकर निकाली जागरूकता रैली

पाटन (समय दर्शन)। एक मई दिन बुधवार को गांव गांव में आज मजदूर दिवस मनाया गया। इसके अलावा जनपद पंचायत के मनरेगा शाखा द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम भी गांवों में चलाया गया। बता दे की अभी वर्तमान में पाटन ब्लॉक में दुर्ग ओर धमधा से ज्यादा मजदूर मारेगा के तहत काम कर रहे है। जनपद पंचायत पाटन के निर्देश पर पाटन ब्लॉक के सभी गांवों में मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज मनरेगा के तहत चल रहे कार्य स्थल पर जाकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। जानकारी के मुताबिक पाटन ब्लॉक के 104 ग्राम पंचायत में अभी काम चल रहा है। जिसमे 23697 मजदूरों को काम मिल रहा हैं । मनरेगा के कार्य स्थल पर आज मतदाता जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया। जिसमे सभी मजदूरों को मतदान का महत्व बताया गया। शत प्रतिशत मतदान करने का शपथ भी दिलाई गई। ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों में मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी डालिम लता ने जाकर मजदूरों की मतदान करने के लिए शपथ दिलाई है। इसके अलावा मजदूरों द्वारा गांव में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली भी निकाली गई। मजदूरों ने मतदान करने से सबंधित स्लोगन लिखे हुए पोस्टर हाथ में रखे हुए थे। जिसके माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया।।

सावनी में मजदूरों ने एक साथ किया भोजन- अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत सावनी जनपद पंचायत पाटन में मजदूरों के लिए भोजन व्यवस्था किया गया । मनरेगा का काम करने के उपरांत मतदाता जागरूकता की शपथ लिए साथ ही गरम-गरम भोजन की व्यवस्था किया गया। काम के बाद खाना खाने के बाद मजदूरों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। यहां पर भर्री जलाशय गहरीकरण कार्य आमापेंड़ी में चल रहा है। इस अवसर पर अजय सिंह राठौर,विजय राठौर, नयना ,ममता,योगिता, श्रेया,अर्नव, सरपंच चैती बाई यादव सचिव दिनेश साहू रोजगार सहायक भूपेन्द्र मेट देवेश वर्मा,पूर्णिमा धीवर, अन्य मजदूर कामेश्वरी,पूर्णिमा,देव कुंवर,विप्लव, टेकराम, जानकी, हेमा,शशि,सुमन, इंद्राणी,दुर्गा, बिशेशर,जितेश,मनीराम, गंगाराम, देवकी, दुर्गा, साहिल, सुरेश ,दुष्यंत,नंदनी सहित कुल मजदूर 125 मजदूर उपस्थित थे।

बंद करने की हो रही साजिश, आत्मानंद स्कूलों में दो माह से शिक्षकों को नहीं मिला वेतन

पैरेंट्स एसोसियेशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जताई नाराजगी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने पूरे प्रदेश में घूम-घूम कर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सैकड़ों स्वामी आत्मानंद स्कूल आरंभ किया था। नेता और अधिकारी इस योजना की तारीफ करते नहीं थक रहे थे, क्योंकि यह पूर्व मुख्यमंत्री की ड्रीम प्रोजेक्ट था, लेकिन अब इस योजना की कोई बात तक नहीं करना चाहता। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि शिक्षकों को दो माह से वेतन तक नहीं दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पूछा है कि क्या सरकार बदलते ही बदले की भावना से इस योजना को बंद करने की योजना बनाई जा रही है, क्योंकि शिक्षको को दो माह से वेतन नही दिया जा रहा है। श्री पॉल ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री की महत्वकांशी योजना स्वामी आत्मानंद स्कूलों की स्थिति बेहद चिंताजनक है, जिन संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति की गई, उन्हें वेतन नहीं दिया जा रहा है, और जहां-जहां नए स्वामी आत्मानंद स्कूल आरंभ किया गया, वहां कर्मचारी नहीं दिया जा रहा है। कलेक्टर को अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन इसके बावजूद अब इस योजना का भगवान ही मालिक है। पूर्व में डीएमएफ फंड से संविदा कर्मचारीयों को वेतन दे दिया जाता था, लेकिन अब ऐसा नही किया जा रहा है। श्री पॉल ने बताया कि कुछ माह पूर्व तक अधिकारी और नेता इस योजना की तारीफ करते नहीं थक रहे थे, अब बात करने कतरा रहे है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शिक्षकों को दो महीने से वेतन वेतन नहीं मिलने से संविदा शिक्षकों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई, इससे पहले, शिक्षा विभाग डीएमएफफंड से राशि लेकर शिक्षकों को वेतन देता था। संविदा कर्मचारियों के वेतन के लिए 24.05.2023 को पूर्व की सरकार ने 207 करोड़ 50 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया था, लेकिन फंड कहां गया यह जांच का विषय है। वेतन नहीं मिलने से घर चलाना, बच्चों की फीस और बैंक का लोन इन बातों को लेकर संविदा कर्मचारी परेशान है, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी उनकी समस्या का समाधान करने तैयार नजर नहीं आ रहा है। कुल मिलाकर यह योजना भी अब अपनी अंतिम सांस ले रही है।

सेवानिवृत्त होने पर दो कर्मचारियों को स्टाफ द्वारा दी गई विदाई

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम के जलप्रदाय विभाग ने पदस्थ दो कर्मचारियों बगस सारथी एवं श्याम लाल यादव के सेवानिवृत्ति होने पर स्टाफ ने दी भावभीनी विदाई दी।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि सेवानिवृत्ति कर्मचारी की निश्चित व्यवस्था है। सही में यह एक दौर की शुरुआत है। सभी कर्मचारियों को इस दौर से गुजरना होता है।आयुक्त द्वारा शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जल प्रदाय विभाग दोनो कर्मचारी बगस सारथी एवं श्याम लाल यादव को एक सच्चे व जिम्मेदार कर्मचारी रहे, सेवानिवृत्ति से उपजी उनकी कमी हमेशा खलेगी। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का कुशलता से निर्वहन किया।दो कर्मचारी सेवानिर्वित हुए है इन लोगो ने जल प्रदाय विभाग मे अपनी कार्य को सच्चाई ईमानदारी से निर्वहन किया है जल प्रदाय विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारी इनकी स्वस्थ दिर्धायु की कामनाएं करते हुए सहसम्मान बिदाई दिया गया इस बिदाई समारोह के अवसर पर राजूलाल चंद्राकर जलकार्य निरीक्षक,श्रीमती वंदना श्रीवास्तव,श्रीमती लक्ष्मी साहु , सीमा नायक,सुजाता, भागवत यादव,कोमल यादव,एरिक जांशन मसीह,दिनेश,नरेंद्र ठाकुर, राजेश निषाद, कुशाल,राकेश यादव,प्रश्नन पात्रे, राकेश निषाद, पप्पू यादव,उपस्थित रहे।

कांग्रेस सरकारों ने किए संविधान में 80 से ज्यादा संशोधन,किंतु मुद्दा नही होने के कारण खेल रहे नए -नए क्रिप्टो फ्रंट-भाजपा

दुर्ग (समय दर्शन)। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे,महासचिव प्रियंका गांधी, श्री राहुल गाँधी ने छत्तीसगढ़ प्रवास में भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाया हैं, जिसका भाजपा पलटवार कर जवाब दिया। आज दुर्ग में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि संविधान में 80 से ज्यादा संशोधन कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में किए हैं,उन्होंने बताया कि राजीव गांधी से मनमोहन सिंह के शासनकाल में 30 ,इंदिरा गांधी के समय 25 और पं. जवाहर लाल नेहरू के समय 16 संशोधन किए गए। अपनी कुर्सी बचाने के लिये इंदिरा जी ने देश को आपात काल के पंजे में जकड़ कर संविधान के लोकतांत्रिक होने का उपहास उड़ाया। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित संविधान में स्पष्ट है कि इसकी मूल स्वरूप से छेड़-छाड नहीं की जा सकती पर संविधान के 42वे संशोधन में आपातकाल लगाकर संविधान का मूल भाव संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य को बदलकर संप्रभु सामाजिक धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य कर दिया।यह कांग्रेसी तुष्टिकरण की निती का स्पष्ट परिणाम दिखता है प्रेस वार्ता में अहिवारा विधायक डोमन लाल कोरसेवाड़ा ने भी कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हार की स्पष्टता को देखते हुए कांग्रेसी नेता बौखला गए

है और अब जनता को उकसाने संविधान बदलने की ओछी बात कर रहे है लेकिन जनता मोदी को गारंटी पर भरोसा करती है जो 7 मई को अपना फैसला भाजपा के पक्ष में देंगी प्रेस वार्ता के प्रदेश भाजपा के अन्य प्रवक्ता मुकेश शर्मा लोकसभा प्रवक्ता दिनेश देवांगन व गौतम वैद्य निरंकारी भी उपस्थित थे इस दौरान भाजपा नेताओ ने कांग्रेस खिलाफहाथो में तख्ती में लेकर वार्ता किया। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा की भाजपा पूछती है प्रियंका गांधी को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि पूर्व प्रधानमंत्रियों ने जो संविधान में संशोधन किया हैं, वह गलत हैं या सही ? उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए नए-नए क्रिप्टो फ्रंट खेलकर नए-नए आरोप लगा रही हैं, दरअसल कांग्रेस के पास अब भाजपा से लडाई की हिम्मत नहीं है, इसलिए नए-नए होली काऊ लाने पड़ रहे हैं। भाजपा की केंद्र सरकार ने 10 सालों में सबको मकान, सबको इलाज, सबको शौचालय, सबको बैंक खाता, सबको खाद्यान्न, सबको नल-जल,सबको बिजली, सबको सड़क, सबको इंटरनेट सबको रोजगार दिया है, जिससे व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन आया है, राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतकवाद से मुक्ति, दुनिया में भारत की स्थिति बेहतर करना, राम मंदिर निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, तीन तलाक से मुक्ति , माफ्फियाराज से मुक्ति दंगाराज से मुक्ति ऐसे विषय है, जिसके चलते भारत ने जनता के सामूहिक चित्त में एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है। इसलिए विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने आरोप लगाया कि यह राष्ट्रीय चुनाव हैं और जनता का वोट भी राष्ट्रीय मुद्दों पर जाएगा, देश की जनता राहुल गांधी को कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बनने देगा। उन्होंने प्रियंका गांधी के आरोपों पर कहा कि संविधान में बाबा साहब के द्वारा दिए गए अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता को 1951 में सबसे पहले संसोधन लाकर कुलचने का काम कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस ने 100 से अधिक बार धारा 356 का दुरुपयोग कर चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया है। कांग्रेसी नेताओं के पास जनता के सामने रखने कोई देश के विकास,सुरक्षा के लिये रोड मैप नहीं है।सोनिया गांधी जी,राहुल जी,प्रियंका जी,खड्गे जी यदि संविधान की बात करते हैं तो जनता जानती है कि सौ चूहे खा कर बिल्ली हज को चली कॉंग्रेस के प्रति जनता में विश्वास की भावना खत्म हो चुकी हैं।

सार समाचार

अवैध शराब बेचते तीन गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। डीडीनगर एवं माना पुलिस ने के टीम ने अवैध शराब बेचते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 66 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 300 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार डीडीनगर पुलिस के टीम ने मुखबिर की सूचना पर महादेवा तालाब के पास चंगोराभाठा में दबिश देकर आरोपी रिंकु देवांगन 23 वर्ष व मंटू देवांगन 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से कुल 49 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 300 रुपए जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने ग्राम डुमरतराई में आरोपी उमेश वैष्णव 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

राजभवन के पास पलटी ई-रिक्शा

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में राजभवन के गेट नंबर एक के समाने दोपहर लगभग 2.30 से 3.00 बजे एक ई रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई जिसमें सवार जानकी यादव एक बुजुर्ग महिला और वाहन चालक विदुर महानंद के गिर जाने से दोनों को गंभीर रूप से चोटे आई । दोनों घायल दर्द के मारे कहार रहे थे और घटना स्थल में भीड़ लगी हुई थी तभी वहां से गुजर रहे अधिवक्ता भगवानू नायक एवं भाजपा नेता प्रदीप साहू ने अपनी कार रोककर तत्काल घटना स्थल पहुंचे और 112 को सूचना देकर तुरंत एंबुलेंस मंगाया और दोनों घायलों को को एंबुलेंस में डालकर भीमराव अंबेडकर चिकित्सालय के लिए रवाना किया। इस वक्त काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए थे राजभवन के सुरक्षा कर्मी और पुलिस अधिकारीगण भी मौजूद थे । घायल बुजुर्ग महिला जानकी यादव ने सूरज नगर, लाभांडी रायपुर और ई रिक्शा चालक विदुर महानंद ने कबीर नगर निवासी बताया।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। शांति विहार कालोनी डगनिया में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी चंद्रशेखर रहंगडाले 35 वर्ष शांति विहार कालोनी डगनिया का रहने वाला है। बताया जाता है कि कल शाम वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनक्यू 3272 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गया जुमला कीमती 45 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

7 मई को सभी को मतदान के लिए प्रेरित करने का लिया संकल्प

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व यू-ट्यूबर्स कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से मिले

रायपुर(समय दर्शन)। शहर में सोशल मीडिया के माध्यम से आम मतदाताओं को 07 मई को मतदान हेतु प्रेरित करने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व यू-ट्यूबर्स से जुड़े युवा अपनी भागीदारी देंगे। इस प्रस्ताव के साथ आज इन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह से मुलाकात की एवं मतदान केन्द्रों में इस बार मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा व स्वीप कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी श्री विश्वदीप भी साथ थे। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व यू-ट्यूबर्स से चर्चा करते हुए कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान के प्रति जागरूक करना एवं देश की प्रगति के लिए मतदान करना सभी का

दायित्व है। पिछले निर्वाचन के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि रायपुर में 6 लाख 7 हजार 646 मतदाता मतदान हेतु नहीं जाते, इन आंकड़ों में किसी भी परिचित, रिश्तेदार, पड़ोसी का नाम न रहें, यह सुनिश्चित करने में सोशल मीडिया उपयोगी है। उन्होंने कहा कि सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि मतदान तिथि 07 मई को इस बार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित अवधि में सबसे पहले मतदान कर हर मतदाता अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाताओं की सुविधा हेतु कई नवाचार इस बार रायपुर के मतदान केन्द्रों में किए गए है। शुद्ध पेयजल, नींबू पानी, चिकित्सा दल भी मतदान केन्द्रों में उपलब्ध रहेंगे, साथ ही ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आवश्यकतानुसार पंडाल की व्यवस्था भी इन केन्द्रों में होगी। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं से आह्वान किया है कि रायपुर जिले में मतदाताओं को उनके मतदान केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी सीधे तौर पर प्रदान करने के लिए 05 मई को अपने बूथ को जानों कार्यक्रम के तहत उनके मतदान केन्द्र में आमंत्रित किया गया है, अत: सभी मतदाता 05 मई को अपने मतदान केन्द्र जाकर सुविधाओं की जानकारी लें और 07 मई को अपने परिचितों, रिश्तेदारों के साथ मतदान कर चुनाव के पर्व को देश के पर्व के रूप में प्रतिष्ठित करें।

राजद्रोह के आरोपी जीपी सिंह को मिली बड़ी राहत

रायपुर(समय दर्शन)। केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किए गए आईपीएस जीपी सिंह को कैट से बड़ी राहत मिली है। कैट ने चार हफ्तों के भीतर जीपी सिंह से जुड़े सभी मामलों को निराकृत कर बहाल किए जाने का आदेश दिया है। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह को राज्य सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीते साल जुलाई के महीने में अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी थी। बता दें कि एसीबी की टीम ने एक जुलाई 2021 को सिंह के पुलिस लाइन स्थित सरकारी बंगले के अलावा राजनांदगांव और ओडिशा के 15 अन्य स्थानों पर छापामार कार्रवाई की थी, जिसमें 10 करोड़ की अघोषित संपत्ति के साथ कई संवेदनशील दस्तावेज बरामद किये गये थे। छापे से मिली संपत्ति के आधार पर एसीबी ने जीपी सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर दर्ज किया था, वहीं सरकार ने 5 जुलाई को उन्हें सस्पेंड कर 8 जुलाई की रात को उनके खिलाफ राजद्रोह का

केस दर्ज किया था। इस घटनाक्रम के बाद 9 जुलाई 2021 को जीपी सिंह ने हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की है, जिसमें सीबीआई जांच की मांग की गई। मामले की जांच के बाद 11 जनवरी 2022 को जीपी सिंह को नोएडा से गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उन्हें मई 2022 में जमानत मिल गई थी। इस पूरे मामले के बाद सर्विस रिव्यू कमेटी की सिफारिश पर 21 जुलाई 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस जीपी सिंह को भारत सरकार ने कंप्लसरी रिटायर कर दिया था। जब आईपीएस को कंप्लसरी रिटायर करने का फैसला लिया गया था, तब जीपी सिंह की सेवा के आठ साल बचे थे।

भाजपा की विदाई का कारण बनेगी नारी न्याय के महालक्ष्मी योजना : कांग्रेस

रायपुर(समय दर्शन)। भाजपा कांग्रेस के महालक्ष्मी योजना के बारे में भ्रम फैला रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नारी न्याय के फार्म के बारे में महालक्ष्मी योजना के बारे में भाजपा की झूठी बयानबाजी बता रही है कि इस फार्म के कारण भाजपा डर गयी है। यह महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिये किये जाने वाला वादा है। कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में प्रमुखता से वादा किया है कि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीब महिलाओं को 1 लाख सलाना मिलेगा, अर्थात 8333 रू प्रतिमाह। भाजपा की छत्तीसगढ़ सरकार मात्र 1

हजार रू. महीना देती है। भाजपा को डर है कि महिलाये भाजपा के खिलाफ मतदान करेगी। कांग्रेस पार्टी ने इसको प्रसारित करने के लिये महिलाओं से फार्म भी भरवाया है। कांग्रेस ने न्याय के लिये गारंटी पत्र भी जारी किया और यह कांग्रेस का राजनैतिक कार्यक्रम है, चुनाव में बात पहुंचाने का तरीका है। कांग्रेस अपने पांचों न्याय की गारंटी पत्र भी जनता के बीच लेकर जा रही है। भाजपा जैसे भी भ्रामक प्रचार कर ले, महिलायें फार्म को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित है और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने को आतुर है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को 1 लाख रू. सालाना देने के कांग्रेस के निर्णय को कांग्रेस के कार्यकर्ता 11 लोकसभा क्षेत्रों के हर महिला मतदाता तक पहुंचा रहे है, इस हेतु पार्टी बैनर, पाम्पलेट एवं प्रचार फार्म का सहारा लेगी। जिसके माध्यम से महिलाओं को बताया जायेगा कि कांग्रेस की सरकार उनके आर्थिक उन्नति के लिये कितना बड़ा क्रांतिकारी कदम उठायेगी। पूरा भरोसा है लोकसभा में महिलाओं का समर्थन कांग्रेस को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की केन्द्र सरकार महिलाओं को सालाना 1 लाख देने के अलावा उन्हें आत्म निर्भर बनाने के लिये अनेक कदम उठायेगी। कांग्रेस की सरकार केन्द्रीय नौकरियों में आधी भर्तियां महिलाओं की करेगी। आशावर्कर, आंगनबांड़ी तथा मिड्डे मील कार्यकताओं को केन्द्रीय सहायता कांग्रेस की सरकार बनने पर दुगुना किया जायेगा। महिलाओं के कानून अधिकारों की रक्षा के लिये प्रत्येक पंचायत में कानूनी सहायक की नियुक्ति की जायेगी।

याहया ढेबर ने कोर्ट में किया सरेंडर

रायपुर(समय दर्शन)। जग्गी हत्याकांड मामले में आरोपी रायपुर महापौर एजाज ढेबर के भाई याहया ढेबर ने मंगलवार को रायपुर जिला कोर्ट में सरेंडर कर दिया। याहया को जग्गी हत्याकांड में 17 साल पहले दोषी करार दिया गया था। इस मामले में हाईकोर्ट ने इसी महीने अपने फैसले में सभी आरोपियों की सजा बरकरार रखी है। मामले में दोषी पाए गये सभी आरोपी एक-एक कर सरेंडर कर रहे हैं। शूटर चिमन सिंह सहित एक अन्य आरोपी ने पहले ही सरेंडर कर दिया था। बता दें कि रामवतार जग्गी हत्याकांड 2003 में अजीत जोगी के शासनकाल में हुआ था। जिसका एफआईआर स्वर्गीय विद्याचरण शुक्ल के दबाव में मौदहापारा थाने में दर्ज

हुआ था, जिसमें 32 आरोपियों के नाम हत्याकांड में सामने आए थे। सभी आरोपियों को 7 -8 साल के उपरांत हाई कोर्ट से ज़मानत अपील के द्वारा मिली थी। जो विगत सप्ताह हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट के फ़ैसले को बरकरार रखते हुए सभी आरोपियों की जमानत रद्द कर दी और सभी आरोपियों को एक हफ्ते का समय सजा हेतु सरेंडर करने का दिया था। जिसमें रायपुर महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई याहया ढेबर सहित 22 आरोपियों को अपनी सजा पूरी करने के लिए वापस जेल जाना था। इनमें से शूटर चिमन सिंह सहित एक अन्य आरोपी ने पहले ही सरेंडर कर दिया था। वहीं याहया ढेबर सोमवार देर शाम सरेंडर के लिए पहुंचे थे जिसे कोर्ट ने मंगलवार को आने को कहा था जिसके बाद मंगलवार को कोर्ट पहुंचकर याहया ढेबर ने सरेंडर कर दिया।

आलू के बीच छिपा रखा था पचास लाख, पुलिस ने किया बरामद

रायपुर(समय दर्शन)। लोकसभा चुनाव मद्देनजर आरंग पुलिस द्वारा रात्रि में महासमुंद तिराहे के पास चेकिंग के दौरान आलू से भरे पिकअप जिसमे ढेंकानाल ओडिसा निवासी ड्राइवर प्रताप प्रधान था, को रुकवाया गया तो उसके अंदर कार्टून में छिपा कर रखा लगभग 50 लाख रुपए मिला। पैसे संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज न होने से 102 सीआरपीसी के तहत जप्त किया गया है और इनकम टैक्स विभाग को सूचित किया गया है। पुलिस द्वारा जांच जारी है।जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष सिंह के द्वारा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी तथा लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर थाना क्षेत्र में चेक पोस्ट और एसएसटी, फ्लाइंग स्काड के माध्यम से राज्य/जिले से बाहर आने जाने वाली वाहनो पर सतत निगरानी रखने के उद्देश्य से जगह-जगह चेक पोस्ट लगाकर वाहनों की तलाशी करने निर्देशित किया गया है, जिसके दौरान यह कार्यवाही की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर के साथ उक्त कार्यवाही में टीआई आरंग सत्येंद्र श्याम, प्रधान आरक्षक ऋषि पटेल, गिरधर प्रजापति एवं अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर पटना में एक ईंट कारखाने में काम करते मजदूर.

एचडीएफसी बैंक के पेजैप ऐप को सेलेंट मॉडल बैंक का पुरस्कार मिला

मुंबई : एचडीएफसी बैंक के मोबाइल ऐप पेज़ैप (क्कड्ड4ड्डश्चश्च) को सेलेंट मॉडल बैंक अवार्ड मिला है। एचडीएफसी बैंक के पेज़ैप को यह अवार्ड्स पेमेंट इनोवेशन की श्रेणियों में सेलेंट मॉडल बैंक पुरस्कार समारोह में प्रदान किए गए। सेलेंट का वार्षिक मॉडल बैंक पुरस्कार बैंकिंग में प्रौद्योगिकी के उपयोग में सर्वोत्तम प्रथाओं का जश्न मनाता है और उन्हें स्वीकार करता है। पेज़ैप दुनिया भर के 36 देशों के 140+ नामांकनों में से चुने गए 19 विजेताओं में से एक है। इस अत्यधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए निर्णायक मानदंडों में स्पष्ट व्यावसायिक लाभ, उद्योग के सापेक्ष नवाचार का स्तर और प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता शामिल हैं। पेज़ैप को ज़ेटा और एचडीएफसी बैंक द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है, जो ज़ेटा के अगली पीढ़ी के प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म, ज़ेटा टैचियन और इसकी विशेष इंजीनियरिंग पेशकश, ज़ेटा स्टूडियोज़ का लाभ उठा रहा है। मार्च 2023 में लॉन्च होने के बाद से पेज़ैप ने तेजी से 6+ मिलियन ग्राहक हासिल कर लिए हैं और लगभग आधे मिलियन ग्राहकों ने इसे आईओएस (पर 4.8 और एंड्रॉइड पर 4.3 की रेटिंग दी है, जिससे यह फाइनेंस सेक्शन में भारतीय ऐप स्टोर्स पर टॉप रेटेड ऐप बन गया है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड,चीफमार्केटिंग ऑफिसर और हेड-डायरेक्ट टू कंज्यूमर बिजनेस श्री रवि संथानम ने अवार्ड प्राप्त करने को लेकर कहा, सेलेंट की मान्यता हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले विश्व स्तरीय डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

कांग्रेस के भ्रम में न आएं, कभी खत्म नहीं होगा संविधान और आरक्षण-पुन्नूलाल मोहले

लोकसभा चुनाव में अपनी हार को देखकर कांग्रेस मोदी के खिलाफ दुष्प्रचार करने में जुटी है-भाजपा

रायपुर (समय दर्शन)। भाजपा के वरिष्ठ नेता पुन्नूलाल मोहले ने जांजगीर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कांग्रेस लोकसभा चुनाव में अपना सूपड़ा साफ होते देख घबराई हुई है। इसलिए कांग्रेस लोगों में संविधान और आरक्षण खत्म होने का डर दिखाकार भ्रम फैला रही है। जबकि मोदी की गारंटी यानी भाजपा के संकल्प पत्र में कहीं भी संविधान बदलने और आरक्षण खत्म होने की बात नहीं लिखी है। मंच से खुद पीएम मोदी बार-बार कह रहे हैं कि संविधान और आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा। इसके बावजूद कांग्रेस फर्जी विडियो एडिट के जरिए सोशल मीडिया पर आरक्षण और खत्म करने की अफवाह फैला रही है। अभी हाल में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के विडियो को एडिट कर कांग्रेस ने सोशल

मीडिया पर वायरल कर दुष्प्रचार कर डाला कि आरक्षण और संविधान खत्म हो जाएगा। इसकी शिकायत के बाद आरोपी पर एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस अब गिरी हुई राजनीति पर उतर आई है, उसका मकसद है कि किसी भी तरह से केंद्र की सत्ता पर काबिज होना। अब कांग्रेस बुरी तरह हताश है क्योंकि उसके झूठे न्याय पत्र को जनता नाकार चुकी है। इस कारण कांग्रेस तमाम तरह के प्रोपोगंडा रच रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने हर भाषण में अपील कर रहे है कि कांग्रेस संविधान और आरक्षण खत्म होने का डर लोगों को दिखाकर वोट पाना चाहती है। मोदी जी का नारा है कि सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास। इसी मूल मंत्र पर चलकर छत्तीसगढ़ की जनता मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए यहां की 11 की 11 लोकसभा सीटें जीता कर उनकी झोली में डालेगी। पुन्नूलाल मोहले ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम और गारंटी की छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में प्रचंड लहर चल रही है। इससे कांग्रेस को घबराहट है कि अगर पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गए तो कांग्रेस और इंठी गठबंधन दलों के भ्रष्ट नेताओं को जेल जाना होगा। क्योंकि इन लोगों ने देश को अपनी परिवारवाद की नींव पर खड़ी पार्टी के जरिए 60 सालों तक सिर्फ लूटने का काम किया है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के चलते कांग्रेस और इसके इंडी गठबंधन दलों के भ्रष्टाचार पर लगाम लग गई है। इनकी काली कमाई के सभी रास्ते मोदी ने जी बंद कर दिए हैं। इस वजह से मुद्दाविहिन हो चुकी कांग्रेस और इसके नेता जनता में भ्रम और मोदी जी के बारे में दुष्प्रचार में लगे हैं। ताकि जनता के वोट लेकर फिर से केंद्र में पूर्ववर्ती यूपीए सरकार की तरह भ्रष्टचार कर सकें। पुन्नूलाल मोहले ने कहा-मोदी जी की 400 पार सीटों के साथ केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इससे कांग्रेसी नेता अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। प्रधानमंत्री को गाली देने और उनके बारे में दुष्प्रचार करने का असर जब देश की जनता पर नहीं पड़ा तो कांग्रेस के नेता और राहुल लोगों को संविधान और आरक्षण खत्म होने का भय दिखा रहे हैं, जो कांग्रेस के तुष्टीकरण राजनीति का परिचायक है। कांग्रेस तो खुद आरक्षण की विरोध करने वाली पार्टी रही है, कांग्रेस ने मंडल कमीशन का भी विरोध किया था। लोकतंत्र के लिए अब कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी खतरा बन गई है और समाज को बांटने और लड़वाने के लिए जुट गई है।

कांग्रेस करती है तुष्टिकरण जवाब में शैलेश ने कहा कांग्रेस के घोषणा पत्र से घबरा उठी भाजपा

बिलासपुर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी ने आज एक बार फिर से कांग्रेस के घोषणा पत्र को केंद्र बिंदु बनाते हुए उसे पर प्रेसवार्ता की, पत्रकार वार्ता में प्रथम वक्तव्य बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने दिया। दूसरा वक्तव्य संगठन से जुड़े संजय श्रीवास्तव ने दिया पर वक्तव्य खत्म होने के बाद पत्रकारों के प्रश्न नहीं लिए गए। धरमलाल कौशिक ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र समाज को बांटने वाला है और तुष्टिकरण की राजनीति करता है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास ही यह है। वे अपने घोषणा पत्र में जो कहते हैं वह नहीं करते हैं। भारत के संविधान को असली खतरा कांग्रेस से ही हैं। आज तक देश के संविधान में जितने संशोधन हुए उन सब को कांग्रेस ने ही किया है। कोर्ट से प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विरुद्ध निर्णय आने के बाद उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया, उल्टे आपातकाल लगाया। मीडिया के बोलने की स्वतंत्रता छिनी, नेताओं को जेल में डाला इस बार अपनी हार को सामने देखते हुए कांग्रेस फिर से अपने मूल चरित्र तुष्टीकरण पर आ गई इस संदर्भ में हमने कांग्रेस के नेता बिलासपुर पूर्व विधायक शैलेश पांडे से बात की उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता अपने घोषणा पत्र से ज्यादा चर्चा कांग्रेस की घोषणा पत्र की करते हैं। इससे पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी को भारत का न्याय पत्र डरा रहा है। शैलेश जी ने कहा कांग्रेस का घोषणा पत्र पूरे विचार मंथन और पार्टी के वरिष्ठ संयोजक, नेता जिसमें टी एस सिंह देव जैसे नेता शामिल थे बना है। और देश की आर्थिक सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखकर, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, संविधान को अक्षुण्ण रखने वाला विचारों के साथ बना है। समाज को जाति, धर्म, रंग में बांटने वाली नियत सर्वविदित भाजपा की है। उनके नेता तो रंग से, वेशभूषा से पहचाने का दावा करते हैं। राज्यों में चुनी हुई सरकारों को दल बदल के माध्यम से गिरना भाजपा का कलंकित इतिहास है। गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल, बिहार ऐसे कई उदाहरण है। मुख्यमंत्री को चोरी छिपे सुबह 6:00 बजे के पूर्व शपथ दिलाना कैसे भूलया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड को अवैधानिक बोल देने के बावजूद क्या किसी ने इस्तीफा दिया। उलट इलेक्टोरल बॉन्ड को ठीक बताया जा रहा है। पूर्व विधायक ने यहां कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण जैसे जरूरी मुद्दों के बाद भारतीय जनता पार्टी की घबराहट दिख रही है।

संपादकीय

आंतरिक लोकतंत्र के बागी

आम चुनाव, 2024 के संदर्भ में बागी उम्मीदवारों की भी चर्चा की जानी चाहिए। बागी उम्मीदवार किसी भी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र के अभाव के संकेत होते हैं। राजनीतिक दल अपने ही नेताओं, प्रत्याशियों की राजनीतिक बगावत के कारण दोफाड़ तक हो जाते हैं। जनाधार विभाजित हो जाते हैं। काडर और समर्थक भी बंट जाते हैं, लेकिन कई बार यह बगावत अपरिहार्य लगती है। चुनाव लडने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता। पार्टियों में बागी चेहरे तभी सामने आते हैं, जब पार्टियों की चुनाव समिति किसी और को उम्मीदवार घोषित करती है और कई बार स्थापित नेताओं और जनप्रतिनिधियों के भी टिकट काट दिए जाते हैं। भाजपा ने एक-तिहाई सांसदों को इस बार अधिकृत उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन पार्टी कर्नाटक की शिमोगा सीट को लेकर चिंतित है। कर्नाटक के प्रख्यात नेता येदियुरप्पा के पुत्र एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेन्द्र के सामने, शिमोगा सीट पर, के. एस. ईश्वरप्पा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। कभी ईश्वरप्पा राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री होते थे। वह आरएसएस के बहुत पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बदल कर विजयेन्द्र को अवसर देने का फैसला किया, लेकिन ईश्वरप्पा अचानक बागी हो गए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। मौजू सवाल यह है कि ऐसे बागी उम्मीदवार के कारण भाजपा को चुनावी नुकसान हुआ, तो क्या होगा? एक-एक सांसद बेहद कीमती होते हैं, तभी 370 या 400 की संख्या तक पहुंचना संभव होगा। राजस्थान की बाड़मेर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रवीन्द्र भाटी की खूब चर्चा है। उन्होंने निर्दलीय ही विधानसभा चुनाव, 2023 जीता था, तो वह भाजपा के करीब आए थे, लेकिन चुनाव समिति ने कैलाश चौधरी को टिकट दे दिया। अब रवीन्द्र भाटी निर्दलीय ही व्यापक जन-समूह को आकर्षित कर रहे हैं। स्थानीय मुद्दों से जनमत तैयार कर रहे हैं। उन्हें चुनावी चंदा भी खूब मिल रहा है। राजस्थान की चुरू सीट पर भी भाजपा में बागी पैदा हुआ है। वहां से भाजपा के राहुल कस्वां सांसद चुने गए थे। पार्टी ने इस बार पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेन्द्र झाझरिया को अधिकृत उम्मीदवार बनाया, तो राहुल बागी होकर कांग्रेस में चले गए और कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव नतीजे की भविष्यवाणी हम नहीं करते, लेकिन भाजपा को कुछ नुकसान जरूर हो सकता है। राजस्थान में ही कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने ही गठबंधन नेता के खिलाफ अभियान क्यों चला रहे हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट 'इंडिया' गठबंधन के तहत बीएपी के हिस्से दी गई थी, लेकिन कांग्रेस के नाराज उम्मीदवार ने भी मैदान नहीं छोड़ा। अंजाम क्या होगा, सभी राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं। महाराष्ट्र में अमरावती सीट पर 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार नवनीत राणा जीती थी। इस बार भाजपा ने उन्हें अपना अधिकृत प्रत्याशी बना लिया। महायुति के स्थानीय नेता भी नाराज हैं और बागियों का उतरना भी तय है। ऐसे बागियों की सूची लंबी है। बेशक पार्टियां बागी नेताओं को मनाती हैं। उन्हें नामांकन न भरने या उसे वापस लेने को पुचकारती हैं। पार्टी के भीतर कुछ देने का आश्वासन भी दिया जाता है। इस संदर्भ में सफलता-दर बहुत कम है। बागियों को इतने वोट तक मिल जाते हैं कि वे या तो जीत के फासले के करीब पहुंच जाते हैं अथवा अधिकृत प्रत्याशी को पराजित कर देते हैं। छत्तीसगढ़ की रायपुर उत्तर सीट पर विधानसभा चुनाव, 2023 में ऐसा ही हुआ कि कांग्रेस उम्मीदवार बागी चेहरे के कारण चुनाव हार गया।

बेरोजगार युवा नये भारत की ताकत कैसे होंगे?

ललित गर्ग

दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत में युवा- बेरोजगारी की दुखद तस्वीर चिन्तनीय है। भारत को युवा-शक्ति का देश कहा जाता है, युवाओं की संख्या, क्षमता और ऊर्जा को देश की ताकत के तौर पर पेश किया जाता और उन्हें विकास का वाहक बताया जाता है, बावजूद इसके अब अगर देश का युवा बेरोजगारी की समस्या का सामना करते हुए अपने सपनों को टूटते-बिखरते देख रहा है तो यह स्थिति एक त्रासदी एवं विडम्बना ही कहीं जायेगी, इसे सरकार की नाकामी ही मना जायेगा। लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी की यह स्थिति मुद्दा क्यों नहीं बन रही है? भारत में बेरोजगारी की स्थिति पर मानव विकास संस्थान यानी आइएचडी के साथ मिल कर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आइएलओ ने 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' तैयार की है जिससे उजागर हुए बेरोजगारी के चिन्ताजनक तथ्यों पर गौर करने एवं आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट के निराशाजनक आंकड़े दो तथ्यों को रेखांकित करते हैं-बेहतर भुगतान करनेवाली नौकरियों के आकांक्षी शिक्षित युवाओं को खपा सकने वाली नौकरियों का अभाव और शिक्षा की गुणवत्ता में खामियां जिसके चलते बड़ी तादाद में शिक्षित युवा अब भी नौकरी के मानक को पूरा करने में अक्षम हो रहे हैं। दोनों ही स्थितियां सरकार की नीतियों की खामी को ही सामने ला रही है।

ताजा रपट सरकार की नीतियों, विकास एवं आर्थिक उन्नति की विसंगति को ही उजागर कर रही है। जिसमें बताया गया है कि देश में अगर बेरोजगार लोगों की कुल संख्या एक सौ है तो उसमें तिरासी लोग युवा हैं। अगर देश की बेरोजगारी की तस्वीर में तिरासी फीसद युवा दिख रहे हैं, तो इससे कैसे देश की ताकत में इजाफा होगा? इस अहम रपट में उजागर हुए कुछ विरोधाभासी तथ्यों एवं आंकड़ों पर भी गौर करने में मदद मिलती है। माना जाता है कि बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक शिक्षा और कौशल विकास के अभाव का भी नतीजा है। मगर आइएलओ की रपट के मुताबिक, देश के कुल बेरोजगार युवाओं की तादाद में करीब दो दशक पहले के मुकाबले अब लगभग दोगुनी बढ़ोतरी हो चुकी है। खासतौर पर कोरोना महामारी के असर वाले वर्षों में इसमें तेज गिरावट दर्ज की गई। सोचने की जरूरत है कि नया भारत एवं विकसित भारत बनने के दौर में विकास के रास्ते में बेरोजगारी एवं युवा-सपनों को आकार देने का क्या हल है?

निश्चित तौर पर टेक्नोलॉजी से जुड़े बदलावों ने कौशल और रोजगार के प्रकारों की मांग को भी प्रभावित किया है। रिपोर्ट के अनुसार उच्च और मध्यम कौशल केन्द्रित नौकरियों में युवाओं ने बेहतर प्रस्तुति दी है। हालांकि, इन क्षेत्रों में नौकरी की इनसिक्योरिटी अभी भी परेशानी का सबब बनी हुई है। क्योंकि युवाओं में बुनियादी डिजिटल लिटरेसी

की कमी भी कायम है। इस वजह से उनकी रोजगार की क्षमता में रुकावट आ रही है। बेरोजगारी की दुखद तस्वीर के बीच एक खराब स्थिति यह है कि इस दौरान ठेकेदारी प्रथा में वृद्धि हुई है। रपट के मुताबिक, संगठित क्षेत्रों में भी कुल कर्मचारियों का कुछ प्रतिशत हिस्सा ही नियमित है और वे दीर्घकालिक अनुबंधों के दायरे में आते हैं। ऐसी स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि आजीविका से जुड़ी व्यापक असुरक्षा की स्थितियों का युवाओं एवं उनके परिवारों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता होगा। विडंबना यह है कि बढ़ती बेरोजगारी के साथ घटती आय का सामना कर रहे परिवारों में सीधा असर यह पड़ता है कि बच्चों और खासतौर पर लड़कियों की शिक्षा बाधित होती है।

भारत की चेतना को नया निखार देने का दायित्व युवापीढ़ी पर माना जा रहा है, उनसे बहुत-बहुत आशाएं है आजादी के अमृतकाल में लेकिन युवाओं के साथ बेरोजगारी एवं आर्थिक अभाव का दंश जुड़ा रहेगा तो देश कैसे आगे बढ़ेगा? वर्ष 2000 में पढ़े-लिखे युवा बेरोजगारों की संख्या रोजगार से वंचित कुल युवाओं में 35.2 फीसद थी, वहीं 2022 में यह बढ़ कर 65.7 फीसद हो गई। यह स्थिति तब है, जब इस अध्ययन में उन पढ़े-लिखे युवाओं को भी शामिल किया गया, जिन्होंने कम के कम दसवीं तक की शिक्षा हासिल की हो। इससे एक जटिल स्थिति यह पैदा होती है कि जितने लोगों को रोजगार मिल सका, उनमें से नब्बे फीसद श्रमिक अनौपचारिक काम में लगे हुए हैं, जबकि नियमित काम का हिस्सा बीते पांच वर्षों में काफी कम हो गया है। हालांकि सन् 2000 के बाद इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। आखिर क्या कारण है कि देश में गरीब और हाशिये के तबकों के बीच दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ने की दर आज भी उच्च स्तर पर बनी हुई है?

आधी-अधूरी शिक्षा और कौशल-विकास के अभाव की समस्या का सामना करते युवा वर्ग की जगह अर्थव्यवस्था में कहां और किस रूप में है? राजनीतिक नारेबाजी में देश में युवाओं की बढ़ती तादाद और ताकत को एक उम्मीद के तौर पर पेश करने में कोई कमी नहीं की जाती है। मगर वादों या घोषणाओं के नीतिगत स्तर पर जमीन पर उतरने की हकीकत कई बार उसके उलट होती है। लगता है राजनेताओं के लिये युवा केवल जीत हासिल करने का माध्यम है। सवाल है कि इस विरोधाभासी स्थिति के रहते विकास की राह कहां पहुंचेगी? कैसे युवा अपनी ऊर्जा एवं क्षमताओं का उपयोग देश विकास में करेंगे? रिपोर्ट के मुताबिक युवा महिलाओं, खासतौर पर हायर सेकेंडरी पास महिलाओं को रोजगार हासिल करने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

हाल के वर्षों में कृषि में रोजगार बढ़ा है पर मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की हिस्सेदारी स्थिर है। स्वरोजगार में युवाओं के सामने जटिल प्रशासनिक एवं कानूनी व्यवस्था एक बड़ी बाधा है। जीएसटी की जटिल प्रक्रिया ने व्यापार शुरु करने से पहले ही युवाओं को घुटने टेकने को विवश कर दिया है। इन विरोधाभासी हालातों में विकास परियोजनाओं से ही रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद रहती है। इस क्षेत्र में रोजगार की स्थिरता 2047 तक विकसित भारत बनने के सपने पर पानी फेर सकती है। इसलिए अधिक रोजगार पैदा करने वाली विकास परियोजनाओं को बढ़ाने की चुनौती बरकरार है। हर साल श्रमबल में शामिल होने वाले नए लोग अब बड़ी संख्या में स्वरोजगार और आकस्मिक श्रमिक के रूप में आ रहे है। स्वरोजगार का बढ़ना तो अच्छा संकेत माना जा सकता है पर आकस्मिक श्रमिकों का बढ़ना नहीं। सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह कहकर नई बहस एवं युवा-घावों को गहराने का काम किया है कि 'यह सोचना गलत होगा कि सरकार बेरोजगारी की समस्या को दूर कर सकती है।' उन्होंने कहा कि सरकार ने नई शिक्षा नीति बनाई है और कौशल विकास के प्रयास किए हैं। सरकार ने ये प्रयास रोजगार की स्थितियों की सुधारने के लिए ही किए हैं। रोजगार देना व्यावसायिक क्षेत्र का काम है। सरकार के सलाहकार होने के नाते नागेश्वरन को यह भी समझाना होगा कि नीतियों का लाभ उठाकर आगे बढ़ा व्यावसायिक क्षेत्र यदि अपेक्षित रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रहा है तो सरकार को ही उचित एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे। रोजगार सृजन की स्थिति में अपेक्षित सुधार दर्ज नहीं होना सरकार एवं उनके नीति निर्माताओं के लिए चिंता का सबब होना चाहिए। अब जबकि आम चुनाव की प्रक्रिया चल रही है, राजनीतिज्ञों को न सिर्फअपने प्रचार अभियानों में, बल्कि उसके बाद नीति-निर्माण में भी नौकरियां सुनिश्चित करनी होंगी और तकनीकी रूप से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था के लिए शिक्षण व प्रशिक्षण की गुणवत्ता को प्राथमिकता देना सुनिश्चित करना होगा।

अल्पसंख्यक श्रेणी का अधिकार

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धर्म के आधार पर पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण में सेंधमारी करने के संविधान विरोधी प्रयासों पर बड़ा हमला बोला है।

कांग्रेस से सवाल किया है, 'क्या कांग्रेस ऐलान करेगी कि वे संविधान में पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेंगे?' 2004 में जैसे ही कांग्रेस की केंद्र में सरकार बनी तो उसने सबसे पहले आंध्र प्रदेश में एससी/एसटी आरक्षण को कम कर इस कोटे में मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया था। यह कांग्रेस का 'पायलट प्रोजेक्ट' था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। 2004-2010 के बीच कांग्रेस ने चार बार आंध्र प्रदेश में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वे अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए। मोदी ने अब फिर से आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में लोगों का धन छीन कर अपने 'खास' लोगों को बांटने की साजिश रची है। यह अत्यंत तल्ख टिप्पणी राजस्थान के टोंक जिले में एक चुनावी जनसभा में की।

प्रधानमंत्री की टिप्पणी संपूर्ण सत्य है। एक समय कांग्रेस सरकार की अल्पसंख्यक बनाम मुस्लिमों को पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के संविधान में निर्धारित कोटा के अंतर्गत 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने की मंशा रही थी। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ा रु ख अपनाते हुए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के विरु द्ध दायर अपील को खारिज कर दिया था। केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश चाहती थी। इस मंशा के विपरीत कोर्ट ने सरकार से स्पष्ट करने को कहा था कि वह बताए कि उसने किस आधार पर अल्पसंख्यकों को 4.5 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया? कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह तो कोटे में उपकोटा आरक्षित करने का सिलसिला चलता रहेगा। दरअसल, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने धर्म के आधार पर' आरक्षण का लाभ संविधान के विरु द्ध बताया था। वर्तमान में दिसम्बर, 2011 के बाद से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग को 27 फीसद आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन केंद्र सरकार ने ओबीसी के कोटे में खास तौर से मुस्लिमों को लुभाने के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान कर दिया था। इसे कानूनी रूप देते हुए 'अल्पसंख्यकों से संबंधित' और 'अल्पसंख्यकों के लिए' जैसे वाक्यों का जो प्रयोग किया गया वह असंगत है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले का व्यापक असर होना तय था क्योंकि यह प्रावधान आईआईटी जैसे केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में भी लागू हो गया था।

वंचित समुदाय, चाहे अल्पसंख्यक हों अथवा गरीब सवर्ण, को बेहतरी के उचित अवसर देना लाजिमी है क्योंकि बदहाली की सूरत अल्पसंख्यक अथवा जातिवादी चश्मे से नहीं सुधारी जा सकती? खाद्य की उपलब्धता से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उनको हासिल करना मौजूदा दौर में पूंजी और शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में आरक्षण के सरोकारों के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अपरिहार्य योग्यता के दायरे में न आ पाने के कारण उपेक्षित ही रहेंगे। अलबत्ता, आरक्षण का सारा लाभ वे बटोर ले जाएंगे जो आर्थिक रूप से पहले से ही सक्षम हैं, और जिनके बच्चे पब्लिक स्कूलों से पढ़े हैं। इसलिए इस संदर्भ में मुसलमानों और भाषायी अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की वकालत करने वाली रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्ट के भी कोई बुनियादी मायने नहीं रह गए थे? यह रिपोर्ट भी मुसलमानों को संवैधानिक प्रावधानों में आरक्षण जैसे विकल्प खोलने के लिए तैयार कराई गई थी।

वर्तमान समय में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध ही अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं लेकिन जैन समुदाय केंद्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इन्हीं वजहों से आतंकवाद के चलते अपनी ही पुश्तैनी जमीन से बेदखल कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं। दरअसल, 'अल्पसंख्यक श्रेणी' का अधिकार पा लेने के क्या राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, इन्हें समझना मुश्किल है।

जलियाँवाला बाग़ नरसंहार क्या षड्यन्त्र था?

डा. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री

भारतीय पंचांग में वैशाख मास पवित्र माना जाता है । लोग नदियों में स्नान करते हैं । वैशाख पर्व या वैसाखी सर्वत्र अत्यन्त उत्साह से मनाई जाती है । नए वर्ष की शुरुआत भी वैशाख के प्रथम दिन से ही की जाती है । पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिन्धु क्षेत्र में वैशाख मास की एक अतिरिक्त महत्ता भी है । इसी मास में दशगुरु परम्परा के दशम गुरु गोविन्द सिंह जी ने शिवालिक की उपत्यकाओं में माखोबाल, जो अब आनन्दपुर के नाम से विख्यात है , में एक राष्ट्रीय सम्मेलन बुला कर 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी । लेकिन जिस बैसाखी की हम चर्चा कर रहे हैं , वह बैसाखी 1919 की थी । अब तक सप्त सिन्धु की नदियों में बहुत पानी बह चुका था । अब पंजाब पर इंग्लैंड की सरकार राज कर रही थी और उसने पंजाब के लोगों के आक्रोश का दमन करने के लिए रौलट एक्ट लागू कर दिया था । लेकिन उससे गुस्सा कम होने की वजाए बढ़ने लगा था । इस समय 1919 की वैसाखी के अवसर पर भारत का वायसराय Lord Chelmsford Íæ Ð Edwin Montagu लंदन में भारत सचिव था । पंजाब का लेफ़्टिनेंट गवर्नर सर माइकल ओडवायर था । जालन्धर में 45वीं इन्फैंटरी ब्रिगेड का कमांडर ब्रिगेडियर जनरल आर ई एच डायर (ऋश्व.॥.ष्४द्गह्) था । अमृतसर में तनाव और गुस्से को देखते हुए प्रशासन ने ब्रिगेडियर जनरल आर ई एच डायर को जालन्धर से अमृतसर बुला लिया था । उसने आते ही पूरे प्रशासन को अपने क़ब्ज़े में ले लिया । जलियाँवाला कांड पर अपने शोध कार्य के लिए ख्याति प्राप्त इतिहासकार कहते हैं कि लेकिन हैरानी की बात है कि उस समय अमृतसर में मार्शल ला नहीं लगा था । सिविल प्रशासन ही कार्यरत था । बिना मार्शल ला के जनरल डायर के हाथों सारा प्रशासन कैसे दे दिया गया ? अमृतसर में जनसभाओं को रोकना , भीड़ को हटाना सिविल प्रशासन का काम है । यह काम सेना ने कैसे संभाल लिया ? ज़िलाधीश तो अचानक पूरे परिदृश्य से गायब ही हो गया । ज़िलाधीश अनुपस्थित था और जनरल डायर की सेना ने मोर्चा संभाला हुआ था । यह जनरल डायर और पंजाब के तत्कालीन लैफ्टीनैंट जनरल माइकल ओडवायर के आपसी षड्यंत्र के बिना संभव दिखाई नहीं देता ।

उधर अमृतसर में वैशाखी के उत्सव का परम्परागत उत्साह तो था ही , इस बार इस राजनैतिक उथल पुथल से वातावरण और भी गरमा गया था । जलियाँवाला बाग में वैशाखी पर्व की तैयारियाँ शुरु हो गईं । ऐसा नहीं कि आम लोगों को अंग्रेज़ों की नीचता का पता नहीं था । अमृतसर में उसका नंगा नाच कई दिनों से हो ही रहा था । लेकिन लोग इस बार केसरिया बाना पहन कर मानों शहादत देने के लिए ही निकले थे । देखना है ज़ोर कितना बाजुए क़ातिल में है । विदेशी शासक अपनी क्रूरता में किसी भी सीमा तक जा सकते थे । पंजाब में अब शासन रणजीत सिंह का नहीं था बल्कि इंग्लैंड के डायरों का था ।

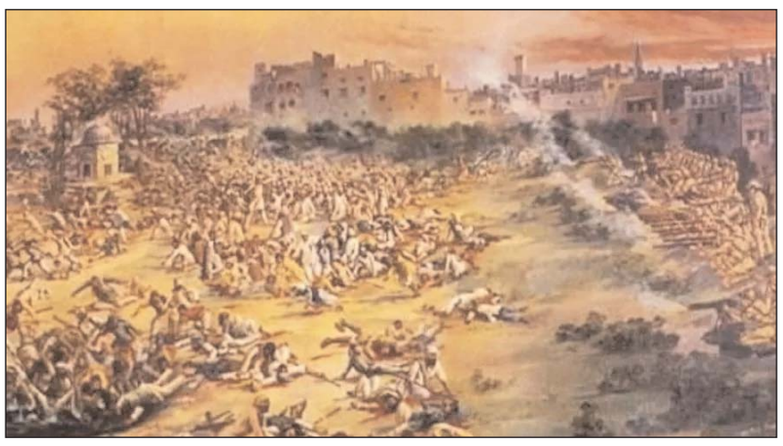

श्रद्धालु सुबह से ही बाग में जुटने शुरु हो गए थे । साढ़े चार बजे तक पन्द्रह से लेकर बीस हज़ार के लगभग लोग जलियाँवाला बाग़ में एकत्रित हो चुके थे । चारों ओर नर मुंड ही दिखाई दे रहे थे । मिट्टी के एक ऊँचे टीले पर खड़े होकर जनता को सम्बोधित करने की

व्यवस्था की गई थी । सभा शुरु हो चुकी थी । दो प्रस्ताव पारित किए जा चुके थे । तीसरे प्रस्ताव पर चर्चा शुरु हुई थी । यह प्रस्ताव था कि ब्रिटिश सरकार भारत में अपनी दमन की नीति को बदले । लेकिन तब तक ब्रिटिश सरकार की दमन की नीति का नंगा प्रदर्शन करने के लिए डायर जलियाँवाला बाग के मुहाने पर हथियारबन्द फ़ौज लेकर पहुँच चुका था । पूरे पाँच बज कर पन्द्रह मिनट पर जनरल डायर पचास राइफ़्लमैन और मशीनगन से लदी दो गाड़ियाँ लेकर बाग़ के मुख्य प्रवेश द्वार पर आ डटा । प्रवेश द्वार पर उसने अपने राइफ़्लमैन तैनात किए । उसकी इच्छा मशीनगन भी प्रवेश द्वार पर लाने की थी लेकिन द्वार इतना तंग था कि गाड़ी अन्दर नहीं आ सकती थी । बिना किसी चेतावनी के डायर की सेना ने वहाँ उपस्थित श्रद्धालुओं पर गोलीबारी शुरु कर दी । गोलियाँ उन दिशाओं में चलाई जा रही थीं , जहां के संकरे रास्तों से लोग निकलने की कोशिश कर रहे थे । अनुमान किया जाता है कि 1650 से भी ज़्यादा राउंड फ़ायर किए गए । अंग्रेज़ सरकार ने जो स्वयं आधिकारिक आँकड़े जारी किए उसके अनुसार 379 लोग शहीद हुए और 1100 घायल हुए । लेकिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा की गई जाँच के अनुसार एक हज़ार से भी ज़्यादा श्रद्धालु शहीद हुए और पन्द्रह सौ से भी ज़्यादा घायल हुए थे । बाग के अन्दर एक कुँआ था , उसी में से 120 से भी ज़्यादा लाशें निकाली गईं । इस कुकृत्यों से ब्रिटेन सरकार का अमानवीय और साम्राज्यवादी विकृत चेहरा नंगा हो गया । इस नरसंहार के बाद डायर ने पंजाब के लैफ्टीनैंट गवर्नर ओडवायर को सूचित किया , मेरा सामना एक क्रान्तिकारी सेना से था । लैफ्टीनैंट गवर्नर ओडवायर ने उत्तर दिया , तुमने जो किया , बिलकुल ठीक किया । मैं इसका समर्थन करता हूँ । और लैफ्टीनैंट गवर्नर ने वायसराय को लिखा कि अब इस नरसंहार के बाद मार्शल ला की अनुमति दी जाए और वायसराय ने अनुमति दे दी । मार्शल ला के बाद अमृतसर निवासियों पर जो अमानुषिक अत्याचार हुए , उसने गोरों की साम्राज्यवादी चेतना और अमानवीय मानसिकता का पर्दाफ़ाश कर दिया । किसी गली में किसी मिशनरी चर्च की एक अंग्रेज़ औरत के साथ कुछ लोगों ने दुर्व्यवहार किया था लेकिन बाद में वहीं के लोगों ने उसे भीड़ से छुड़ा कर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया था । उस गली में सभी हिन्दुस्तानियों को रेंग कर चलने के लिए विवश किया गया , ताकि उनको पता चले कि एक अंग्रेज़ औरत की क़ीमत तुम्हारे देवी देवताओं से भी ज़्यादा है , जिनके आगे तुम रेंगते हो । शहर में कर्फ़्यू होने के कारण जलियाँवाला बाग में कराह रहे घायलों को हस्पताल नहीं पहुँचाया जा सका जिसके कारण उन्होंने वहीं तड़पते हुए दम तोड़ दिया ।

क्या जलियाँवाला ब्रिटिश षड्यंत्र था ?- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के अध्यक्ष रहे प्रो0 विश्वनाथ दत्त ने बहुत परिश्रम करके इस नरसंहार से सम्बंधित ब्रिटिश राज की फ़ायलों का अध्ययन किया और कुछ चौंकाने वाले तथ्य प्रकाशित किए । उनके अनुसार अमृतसर में जलियाँवाला बाग में जनसभा का आयोजन हंसराज नामक व्यक्ति ने किया था । उसी की यह योजना थी । लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न है कि यह हंसराज कौन था ? हंस राज अमृतसर कांग्रेस में काफ़ी महत्वपूर्ण ही नहीं हो गया था बल्कि वह उस समय के क़द्दावर कांग्रेसी नेता सैफुद्दीन किचलू का काफ़ी अन्तरंग भी हो चुका था । किचलू की गिरफ़्तारी के बाद वह ही परोक्ष रूप से कांग्रेस में निर्णय लेने की स्थिति में था । वह क्योंकि किचलू का काफ़ी नज़दीकी था इसलिए आम कांग्रेसियों को उसका नेतृत्व और निर्णय स्वीकारने में कोई दिक़्क़त नहीं थी । कांग्रेस में ब्रिटिश सरकार ने अपने कुछ पिट्ठु काफ़ी अरसे से सक्रिय कर रखे थे । हंसराज इनमें से ही प्रमुख व्यक्ति था । वी.एन.दत्त के अनुसार , ब्रिटिश सरकार की यह अपनी ही योजना थी कि बैसाखी के दिन किसी तरह हज़ारों भारतीयों को किसी ऐसे स्थान पर लाया जाए , जहाँ से भागने का कोई रास्ता न हो हो । इस प्रकार उनको घेर कर गोलियों से भून दिया जाए ताकि सदा के लिए उनके मन में ब्रिटिश सरकार का आतंक बैठ जाए । इस काम के लिए उन्होंने बैसाखी के दिन का चयन किया । लोगों को जलियाँवाला बाग में लाने का दायित्व हंसराज को दिया गया और उन्हें गोलियों से भून देने का कार्य अंजाम देने के लिए जालन्धर से विशेष तौर पर डायर को बुलाया गया था । अमृतसर में भी ब्रिटिश सेना के उच्च अधिकारी विद्यमान थे लेकिन ब्रिटिश सरकार को शायद लगता होगा कि वे इस हैवानियत के काम को अंजाम देने में शायद कहीं चूक न जाएँ । जनरल डायर , पंजाब के उस समय के लैफ्टीनैंट गवर्नर जनरल ओडवायर का दोस्त भी था और उसकी हैवानियत भरे स्वभाव की प्रसिद्धि भी थी । जनरल डायर के बाग के मुख्य द्वार पर मोर्चा संभाल लेने के बाद लोगों ने उठना भी शुरु कर दिया था लेकिन हंसराज में उन्हें मंच से आश्वस्त किया कि जाने की ज़रूरत नहीं है , सेना गोली नहीं चलाएगी । वरिष्ठ कांग्रेसी नेता के इस आश्वासन के बाद लोग बैठ गए और डायर ने गोलीबारी शुरु कर दी और हंसराज मंच से ग़ायब हो गया । बाद में अंग्रेज़ सरकार ने उसे चुपचाप दूसरे देश मैसेपटामिया में स्थापित कर दिया । जब लोगों को हंसराज की करतूत का पता चला तो उन्होंने अमृतसर में उसका घर जला दिया ।

अर्जुन रेड्डी मोड में लौटे विजय देवराकोंडा, अगली फिल्म में होगा सिर्फ एक्शन

साउथ सिनेमा के स्टार अभिनेता विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश पूरी नहीं हुई है। अभिनेत्री श्रीलीला के इस फिल्म से निकल जाने ने विजय देवरकोंडा का दिल ऐसा तोड़ा है कि अब उन्होंने इस फिल्म का पूरा रोमांटिक ट्रैक ही उड़ाने का फैसला किया है। निर्देशक गौतम तिन्नौरी ने भी विजय की ये बात मान ली है। गौरतलब है कि इस फिल्म के संगीतकार वही अनिरुद्ध रविचंदर हैं जिन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के गाने बनाए थे।

विजय देवरकोंडा की लव स्टोरी भले अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से उनकी करीबी दोस्ती के चलते सुपरहिट हो रही हो लेकिन फिल्म 'डियर कॉमरेड' के बाद से उनकी एक भी फिल्म हिट नहीं हुई है। महीने की शुरुआत में रिलीज विजय और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'द फैमिली स्टार' भी फ्लॉप हो चुकी है और ये अब शुक्रवार से ओटीटी पर उपलब्ध रहेगी। इस बीच खबर ये भी आई थी कि गौतम तिन्नौरी के निर्देशन में बनने वाली उनकी अगली फिल्म के लिए हीरोइन ही नहीं मिल रही है। इस फिल्म में पहली अभिनेत्री श्रीलीला काम करने वाली थीं। फिल्म की हीरोइन के लिए तमाम विकल्पों पर चर्चा चल ही रही है कि सुनते हैं इस फिल्म को लेकर विजय देवरकोंडा ने अब अपना मन ही बदल दिया है। अब ये फिल्म आउट एंड आउट एक्शन फिल्म होने जा रही है और विजय देवरकोंडा ने फिल्म में एक भी गाना नहीं रखने का फैसला किया है। साउथ सिनेमा के अभिनेता विजय देवरकोंडा की एक बेहतरीन फिल्म देखने का इंतजार हिंदी पट्टी के दर्शकों को भी अरसे से है। निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा की तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' ने ओटीटी पर आने के बाद उनके प्रशंसक पूरे देश में बनाए हैं। और, इसी फिल्म को देखकर निर्माता करण जौहर ने उन्हें फिल्म 'लाइगर' के लिए साइन कर किया था। फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे हीरोइन थीं और कहते हैं कि यही फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी रही। फिल्म 'लाइगर' के बाद विजय की पिछले साल रिलीज फिल्म 'खुशी' और अब 'द फैमिली स्टार' भी फ्लॉप हो चुकी है। विजय के करीबियों ने बताते हैं कि उन्हें वापस 'अर्जुन रेड्डी' वाले तेवरों में परदे पर लौटने की सलाह दी है। विजय ने इस बाबत निर्देशक गौतम तिन्नौरी के लंबी चर्चा की है और गौतम ने विजय की ये बात मान ली है कि अब उनकी इस फिल्म में कोई गाना नहीं होगा। फिल्म के संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर को भी फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक जबर्दस्त तरीके से बनाने की बात बताई जा चुकी है और गानों से अपना फोकस हटा लेने को कहा गया है।

प्रियंका ने साझा किया अस्वीकृति का दर्द

प्रियंका चोपड़ा न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि हॉलीवुड में भी अपना जलवा बिखेर रही हैं। हिंदी सिनेमा में कई सुपरहिट फिल्में देने के बाद प्रियंका ने हॉलीवुड का रुख किया। अभिनेत्री ने गायक निक जोनस से शादी की और अमेरिका की निवासी बन गईं। उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया है।

अभिनेत्री अपने लुक और फिल्मों को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। हाल ही में, हॉलीवुड अभिनेत्री ऐनी हैथवे ने प्रियंका चोपड़ा के साथ काम करने की इच्छा जताई है। ऐनी ने खुद को प्रियंका का फैन बताया और कहा कि वह रात भर प्रियंका को गूगल पर सर्च करती हैं, लेकिन अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा से जुड़ा एक पुराना वाकया सामने आया है। खुद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि किस तरह बॉलीवुड में लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्मों से सिर्फ इसलिए निकाल दिया जाता था, क्योंकि किसी की गर्लफ्रेंड को कॉस्ट कर लिया गया था। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही मेंकहा कि अस्वीकृति से निपटना आसान नहीं होता। खासकर जब आप फिल्म जैसे क्षेत्र में हों, जहां यह मायने रखता हो कितने लोग आपको देखने आते हैं, आपके प्रदर्शन के बारे में निर्देशक क्या सोचता है? और आपका कास्टिंग एजेंट क्या सोचता है? यह व्यक्ति पर निर्भर करता है। मुझे बहुत सारे रिजेक्शन मिले हैं अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मुझे बॉलीवुड में बहुत सारी अस्वीकृतियां बहुत सारे कारणों से मिली हैं। चाहे मैं रोल के लिए फिट ना रही हूं, चाहे पक्षपात की वजह से, चाहे किसी की गर्लफ्रेंड को कास्ट कर लिया गया हो, ऐसे बहुत से कारण हैं। इसे स्वीकार कर लेना ठीक है। मैंने ऐसा ही किया।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री ने एक पुराने साक्षात्कार में कहा था कि एक ऐसा समय था कि बॉलीवुड में कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता था। उन्होंने खुलासा किया था कि वह बहुत टूटा हुआ महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया था कि पिछले एक साल से वो अस्वीकृति का सामना कर रही हैं। वहीं, साल 2023 में उन्होंने एक और साक्षात्कार में खुलासा किया था कि उन्हें बॉलीवुड से किनारे कर दिया गया है।

क्या जॉली एलएलबी 3 का आगामी शेड्यूल साथ शूट करेंगे अक्षय-अरशद?

जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी की फिल्मों के लाखों दीवाने हैं। पहले भाग में अरशद वारसी ने अपने अभिनय का जलवा दिखाया था। वहीं, दूसरे भाग में अक्षय कुमार की अदाकारी लोगों को काफी पसंद आई थी। अब फिल्म की तीसरी किस्त का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म में दोनों सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। नवीनतम रिपोर्ट्स की मानें तो जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग इसी गर्मी के मौसम में शुरू होने जा रही है। फिल्म में अक्षय और अरशद अपनी-अपनी भूमिकाएं दोहराते नजर आएंगे। एक सूत्र के मुताबिक अरशद जल्द ही इस फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग राजस्थान में शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस शेड्यूल में अक्षय के शामिल होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि अरशद वारसी जल्द ही राजस्थान में एक महीने का शेड्यूल शुरू करेंगे। इसके लिए लोकेशन पर प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। कहा जा रहा है कि सुभाष कपूर के निर्देशन में बन रही यह फिल्म मई में शुरू हो जाएगी।

2017 में अक्षय कुमार ने जॉली एलएलबी 2 में अरशद को रिप्लेस कर दिया था। पहली फिल्म में अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में थे, जॉली एलएलबी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। वहीं, इसके दूसरे भाग ने भी टिकट खिड़की पर जमकर कमाई की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि तीसरी किस्त में दोनों जॉली आमने-सामने होंगे, इसमें भी जज की भूमिका में सौरभ शुक्ला नजर आएंगे। फिल्म को दोनों अभिनेताओं का बारे में जानकारी आ गई है, लेकिन इसकी अभिनेत्री को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग पूरे 2024 में की जाएगी और यह 2025 में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

सालार 2 में कियारा आडवाणी के काम करने पर आया बड़ा अपडेट

प्रभास की फिल्म सालार 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसके पहले भाग को फैंस ने खूब पसंद किया था। आए दिन फिल्म से जुड़ा कोई-न-कोई नया अपडेट सामने आ रहा है। हाल ही में, इस बात की अफवाह उड़ी कि फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। इस अफवाह को सुनते ही कियारा के फैंस उत्साहित हो गए। इसी बीच इस अफवाह को लेकर बड़ा खुलासा हो चुका है।

यह है अफवाह की हकीकत

वेबसाइट 123 तेलुगु की एक रिपोर्ट के अनुसार, कियारा आडवाणी के सालार 2 में काम करने की अफवाह में कोई सच्चाई नहीं है। यह एक झूठी खबर है। कुछ दिनों से यह अफवाह फैली हुई थी कि कियारा इस फिल्म में एक गाने में नजर आएंगी, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होने जा रहा। बेशक, इस बात को जानकर कियारा के फैंस को झटका लगने वाला है। अफवाह के खंडन के साथ ही फिल्म के सीक्वल में कियारा को देखने की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है।

इस तेलुगु फिल्म में नजर आएंगी कियारा

कियारा भले ही इस तेलुगु फिल्म में नहीं दिखेंगी, लेकिन उनकी झोली में एक दूसरी तेलुगु फिल्म है। इसका नाम गेम चेंजर है। इस फिल्म में कियारा आडवाणी के साथ राम चरण अभिनय करते नजर आएंगे। सालार 2 की बात करें तो इसमें प्रभास के साथ-साथ श्रुति हासन भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के पहले भाग ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इसी के चलते उम्मीद की जा रही है कि फिल्म का दूसरा भाग भी कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ने वाला है।

मृणाल ने करीना कपूर को क्यों दिया अपनी सफलता का श्रेय?

मृणाल ठाकुर ने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर किया और अपनी पहचान बनाई। उन्होंने सफलता के लिए अपनी प्रेरणा के रूप में इम्तियाज अली जब वी मेट से करीना कपूर खान के किरदार गीत को श्रेय दिया। मृणाल ने कहा कि गीत एक पंथ है, मैं जो हूं, उसे आकार देने में गीत ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हर बार जब मैं कोई निर्णय लेती हूं तो मैं गीत के रूप में सोचती हूं, इम्तियाज सर ने मेरे साथ यही किया है। मैं इम्तियाज सर का बहुत आभारी हूं, क्योंकि उन्हीं की वजह से मुझे लगता है कि मैं इस इंडस्ट्री में हूं। अगर मैंने गीत नहीं देखी होती या जब वी मेट नहीं देखी होती तो मैंने इसे अपना करियर नहीं माना होता, यह बहुत जबर्दस्त है, यह जादुई है।

पुराने दिनों को याद कर भावुक हुए प्रतीक

अभिनेता प्रतीक गांधी की फिल्म दो और दो प्यार पिछले दिनों रिलीज हुई। दर्शकों को उनकी यह फिल्म काफी पसंद आ रही है। प्रतीक गांधी इस फिल्म में अभिनेत्री विद्या बालन के साथ स्क्रीन साझा करते दिखे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता अपने पुराने दिनों को याद करते नजर आए।

नौकरी छोड़ अभिनय की दुनिया में रखा कदम

प्रतीक गांधी काफी कम समय में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले प्रतीक एक इंजीनियर की नौकरी करते थे। प्रतीक कहते हैं, जिन दिनों मैंने यह तय किया कि अब मैं एक्टिंग करूंगा उन्हीं दिनों मुझे कंपनी की तरफ से विदेश जाने का ऑफर मिला था। मैं समझ नहीं पा रहा था कि आखिर करूं तो क्या करूं। प्रतीक अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं साल 2004 में मुंबई चला आया था। उन दिनों मैं जॉब करता था और बचे हुए समय में थिएटर में जाकर रिहर्सल भी करता था। मेरे पापा को लगता था कि मुझे नौकरी छोड़कर एक्टिंग में पूरा ध्यान देना चाहिए। वे मुझे प्रोत्साहित करते रहते थे और कई बार कहते भी थे कि तू एक्टिंग के लिए बना है। सच कहूं तो आज मैं जो भी हूं परिवार की वजह से हूं।

मां को फिक्र रहती थी मेरी

प्रतीक गांधी आने वाले दिनों में हंसल मेहता के शो गांधी में अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। इस शो में वे अपनी पत्नी के संग स्क्रीन साझा करते दिखाई देंगे। प्रतीक अपने शो के लिए काफी उत्साहित हैं। प्रतीक कहते हैं, आज मैं अपने सपने को जी रहा हूं और यह मुमकिन सिर्फ मेरे परिवार की वजह से हुआ है। अगर आपका परिवार आपके साथ है तो आप कोई भी जंग जीत सकते हैं।

सफल अभिनेत्री होने के साथ साथ फैशनिस्टा भी हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु किसी पहचान की मोहताज नहीं है। सामंथा आज 28 अप्रैल को अपना 37वां जन्मदिन मना रही हैं। सामंथा ने साल 2010 में या माया चेस्वे से अभिनय की शुरुआत की थी।

सामंथा ने अब तक तमिल, मलयालम और तेलुगु में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। सामंथा को न केवल बेहतरीन अदाकारी बल्कि उनके फैशन के लिए भी पसंद की जाती हैं। अपने ड्रेसिंग सेंस से सबका ध्यान खींचती हैं, फिर चाहे वह इंडियन पहने हों या फिर वेस्टर्न।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश पीएम सुनक ने अटकलों को दिया विराम, कहा-जुलाई में नहीं होंगे चुनाव

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अटकलों को विराम देते हुए अपनी कंजरवेटिव पार्टी के एक सांसद के दल-बदल कर विपक्षी लेबर पार्टी में शामिल हो जाने के बीच, जुलाई में आम चुनाव कराये जाने की संभावना को स्पष्ट रूप से खारिज करने से रविवार को इनकार कर दिया। देश में दो मई को नगर निकाय और महापौर चुनाव होने हैं। सांसद डैन पोल्टर ने कहा कि अगले चुनाव से पहले वह विपक्षी खेमे में चले जाएंगे, क्योंकि वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) पर टोरी (कंजरवेटिव) सरकार के कामकाज का अब और बचाव नहीं कर पाएंगे। एक साक्षात्कार के दौरान सुनक से यह पूछा गया कि आम चुनाव इस साल के उत्तरार्द्ध में कराये जाने की बात उनके द्वारा बार-बार बोले जाने का मतलब क्या जुलाई (में चुनाव कराया जाना) भी हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जहां तक आम चुनाव की बात है, मैं कई बार और एक बार फिर इस बारे में बहुत स्पष्ट हूं कि मैं जो कुछ कह चुका हूं उससे ज्यादा नहीं कहने जा रहा। मैं इस बारे में बहुत स्पष्ट रहा हूं। सरकार से वित्त पोषित एनएचएस पर, सुनक ने कहा कि उपचार कराना चाह रहे मरीजों के प्रतीक्षा करने का समय घट गया है। उन्होंने महंगाई घटाने, रक्षा बजट बढ़ाने और रवांडा विधेयक संसद से पारित कराने, जैसी प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी सफलताओं का भी उल्लेख किया। विधेयक के पारित हो जाने से इस साल के अंत से अवैध प्रवासियों को पूर्वी अफ्रीकी देश रवांडा भेजा जाना शुरू हो जाएगा। इस बीच, ब्रिटेन की मीडिया में आई कुछ खबरों के अनुसार, ग्रीष्मकाल में चुनाव कराये जाने के खतरे पर चर्चा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री कार्यालय-सह आवास 'डाउनिंग स्ट्रीट एक तरकीब के तौर पर कर रहा है, ताकि इस हफ्ते के अंत में स्थानीय चुनाव के प्रतिकूल नतीजे आने की स्थिति में सुनक के नेतृत्व के खिलाफ पार्टी में अंदरूनी बगावत को रोका जा सके। ज्यादातर 'ओपनियन पोल में सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी का आम चुनाव में सूपड़ा साफ होने की संभावना जताई जा रही है, इसलिए अपनी सीट बचाने की उम्मीद कर रहे अधिकांश मौजूदा टोरी सांसद जल्द चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हो सकते हैं।

चीन का नेपाल को लेकर बड़ा ऐलान: नेपाली यात्रियों के लिए वीजा फीस की खत्म

काठमांडू, एजेंसी। भारत के पड़ोसी देश को ऋण जाल में फंसाने के बाद चीन ने अब नेपाल के लिए बड़े ऐलान किए हैं। चीन ने 1 मई नेपाली यात्रियों के लिए वीजा फीस को खत्म करने के अलावा नेपाल के दो नए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पोखरा और भैरहवा में वाणिज्यिक उड़ान को शुरू करने का ऐलान किया है। यह वही एयरपोर्ट हैं जिन्हें चीन की मदद से बनाया गया है। इन दोनों ही एयरपोर्ट को बने कई महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक एक भी व्यवसायिक उड़ान नहीं हुई है। नेपाल ने इसके लिए करोड़ों डॉलर का लोन भी चीन से ले रखा है लेकिन ये एयरपोर्ट उसके लिए सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। नेपाल के पोखरा इंटरनैशनल एयरपोर्ट को 21 करोड़ 60 लाख डॉलर का खर्च हुआ है। यह पैसा चीन ने नेपाल को दिया हुआ है। वहीं भैरहवा एयरपोर्ट को भी चीन के ठेकेदार ने ही बनाया है। इसे मई 2022 में शुरू किया गया था और इसे बनाने में 4 साल का समय लगा था जो तय समय से काफी ज्यादा था। नेपाल को उम्मीद थी कि इन दोनों ही एयरपोर्ट के बनने पर टूरिस्ट की संख्या बढ़ेगी और नेपाल को जमकर कमाई होगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दरअसल, भारत के विरोध के बाद भी नेपाल ने पोखरा एयरपोर्ट को चीन की मदद से बनाया जो नई दिल्ली को रास नहीं आया।

नहीं मान रहे नेतन्याहू, गाजा में कत्लेआम के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री का रियाद दौरा

4 मुस्लिम देश भी जुटे

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी पर इजरायली सेना का कत्लेआम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को आईडीएफ ने गाजा पर फिर अटैक किया और 13 लोगों को मार डाला। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की युद्ध न छोड़ने की जिद के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंच गए हैं। यहां उनके अलावा मिस्र, सऊदी अरब, कतर, यूएई और जॉर्डन देशों के शीर्ष नेता भी जुटे हैं। यहां वे सभी गाजा के भविष्य पर चर्चा करेंगे। चर्चा इस बात पर भी होनी है कि इजरायली हमले के बाद गाजा पर किसकी हुकूमत चलेगी

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा शुरू कर दी है। करीब छह महीने पहले इजराइल-हमास युद्ध के शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र का यह उनका सातवां राजनयिक मिशन है जिसमें वह इजराइल की यात्रा भी करेंगे। जहां उनके इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर गाजा में संघर्षविराम के लिए दबाव डालने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी गाजा में बड़े पैमाने पर निर्दोषों के कत्लेआम पर चिंता जता चुके हैं। हालांकि इससे उलट नेतन्याहू गाजा में अपने ऑपरेशन को सही बताते रहे हैं।

रियाद में 4 मुस्लिम देश भी जुटे

रियाद में, अमेरिकी राष्ट्रपति ब्लिंकन के वरिष्ठ सऊदी नेताओं से मिलने और पांच अरब देशों कतर, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक की उम्मीद है। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि चर्चा इस बात की जानी है कि युद्ध के बाद गाजा का क्या होगा

ब्लिंकन के अरब देशों और यूरोपीय राज्यों के साथ आने पर चर्चा करने की भी उम्मीद है। यह चर्चा भी जानी है कि इजरायली हमले के बाद श्मशान घाट हो चुके गाजा शहर के पुनर्निर्माण में यूरोप क्या भूमिका निभा सकता है

इजरायल-हमास युद्ध में कितना नुकसान

इजरायली सेना आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, फिलिस्तीनी आतंकी ग्रुप हमास के इस्लामी लड़ाकों ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 253 लोगों को बंधक बना लिया गया।

इजरायल का दावा है कि उसके 100 से अधिक लोग अभी भी हमास के कब्जे में हैं। उधर, इजरायल के जवाबी हमले में गाजा शहर पूरी तरह से श्मशान बन चुका है। शहर में हवाई और जमीनी हमले में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

पाकिस्तान में छिप कर रहने को मजबूर हुए लाखों अफगान लोग, सता रहा सरकार के एक्शन का डर

इस्लामाबाद। पिछले साल अक्टूबर से करीब छह लाख अफगान लोगों को पाकिस्तान से उनके घर वापस भेजा जा चुका है लेकिन अफगानिस्तान के कम से कम दस लाख शरणार्थी अब भी पाकिस्तान में हैं तथा निर्वासन की आशंका में यह लोग छिप-छिपकर रह रहे हैं। पाकिस्तान में रह गए ये लोग अफगानिस्तान नहीं जाना चाहते। निर्वासन के डर से उन्होंने सार्वजनिक आवाजाही कम कर दी है, अपनी नौकरियां छोड़ दी हैं और अपने घरों के आसपास भी बहुत कम निकलते हैं। उनके लिए आजीविका कमाना, किराये पर घर लेना, खाने-पीने का सामान खरीदना या इलाज कराना बहुत मुश्किल हो गया है क्योंकि उन्हें पुलिस द्वारा पकड़े जाने या पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा उनके बारे में अधिकारियों को बताए जाने का जोखिम है। कराची में पुलिस ने 18 साल के एक किशोर की नकदी, फोन और मोटरसाइकिल छीनकर उसे निर्वासन केंद्र में भेज दिया था। वहां से उसे अफगानिस्तान भेज दिया गया। उसके माता-पिता करीब 50 साल पहले अफगानिस्तान छोड़कर यहां आए थे। वह इससे पहले कभी अफगानिस्तान नहीं गया और उसके पास जाते वक्त कपड़ों के अलावा कुछ नहीं था। अफगानिस्तान में युद्ध के हालात के बीच ऐसे कम से कम 17 लाख लोगों ने पाकिस्तान में शरण ली थी। हालांकि वे पाकिस्तान में बिना किसी कानूनी अनुमति के रहते रहे लेकिन अब पाकिस्तान ने उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए अभियान चला रखा है। करीब 15 साल की उम्र से वाहन मेकेनिक के रूप में काम कर रहे एक युवक ने पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर बातचीत में गिरफ्तारी और निर्वासन का अंदेशा जताया।

गाजा पर इजरायल की फिर एयर स्ट्राइक, कई घरों के ऊपर दागीं मिसाइलें, बच्चों समेत 13 की मौत

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने एक बार फिर से गाजा के ऊपर एयर स्ट्राइक कर दी है। राफा शहर में तीन घरों पर इजरायली हवाई हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। हालांकि, हमास मीडिया आउटलेट्स ने मरने वालों की संख्या 15 बताई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गाजा शहर में इजरायली विमानों ने तीन घरों को निशाना बनाया, जिसमें कई लोग मारे गए और घायल हुए। महीनों से चल रही इजरायली बमबारी के कारण राफा में 10 लाख से अधिक लोगों ने शरण ली है, जहां इजरायल पर हमले करने के आरोप लग रहे हैं। बीते शनिवार को इजरायली हवाई हमलों के कारण 22 फिलिस्तीनी मारे गए थे। इजरायली युद्धक विमानों ने मध्य गाजा में नुसीरात शरणार्थी शिविर में आबादी वाले घर को कई मिसाइलों से निशाना बनाया, जिसमें 4 बच्चों सहित 9 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार गाजा पट्टी के सुदूर दक्षिण में भी एक घर को निशाना बनाकर इजरायली हवाई हमला हुआ। इसमें 4 बच्चों सहित 6 फिलिस्तीनी मारे गए और 8 अन्य घायल हो गए।

लड़ाकू विमानों ने पट्टी में 25 से अधिक साइटों को बनाया निशाना

रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में युद्धक विमानों ने रफा के उत्तर में नासिर पड़ोस में एक घर को निशाना बनाया, जहां 7 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को शहर के अबू यूसुफ अल-नज्जर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। इस बीच, इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि लड़ाकू विमानों ने पट्टी में 25 से अधिक साइटों को निशाना बनाया, जिनमें सैन्य भवन, हथियार गोदाम और कई इमारतें शामिल हैं। दूसरी ओर, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने एक वीडियो जारी कर गाजा में बंधक बनाए गए 2 और बंधकों के जीवित होने का पहला सबूत दिखाया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जबरदस्ती फिल्माए गए फुटेज में ओमरी मिरान का कहना है कि उन्हें 202 दिनों के लिए हिरासत में रखा गया है।

गाजा पट्टी में अब तक 34,000 से अधिक लोगों की मौत

बीते साल 7 अक्टूबर को हमास ने गाजा से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया। इस दौरान 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किए और गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया। साथ ही हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी में अब तक 34,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। 24 नवंबर को कतर ने इजरायल और हमास के बीच अस्थायी संघर्ष विराम और कुछ कैदियों व बंधकों की अदला-बदली की। साथ ही गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के वितरण पर समझौते में मध्यस्थता की। युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और 1 दिसंबर को समाप्त हो गया। माना जाता है कि गाजा में 100 से अधिक बंधक अभी भी हमास के पास हैं।

कनाडाई पीएम का खालिस्तानी प्रेम फिर दिखा, जस्टिन ट्रूडो के भाषण में लगे जिंदाबाद के नारे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का खालिस्तान प्रेम फिर सामने आया है। टोरंटो शहर में मनाए गए खालसा डे पर जब वो भाषण देने मंच पर पहुंचे तो उनके स्वागत में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे। उन्होंने अपनी स्पीच में किसी भी कीमत पर सिख समुदाय की रक्षा करने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि वे सिख समुदाय के अधिकारों और स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेंगे।

खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से भारत और कनाडा के रिश्तों में पिछले कई महीनों से तल्खी देखने को मिली है। कनाडा भारतीय अधिकारियों पर निज्जर हत्याकांड में शामिल होने के संगीन आरोप लगाता रहा है। उधर, भारत ने इन आरोपों के जवाब में उससे कई बार सबूत मांगे, जो कनाडाई सरकार आज तक पेश नहीं कर पाई। कई मोर्चों को खालिस्तान को अपना समर्थन दे चुके कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने रविवार दोपहर खालसा दिवस परेड को संबोधित किया। उनकी सभा में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए।

जस्टिन ट्रूडो की यह टिप्पणी टोरंटो शहर में खालसा दिवस परेड के दौरान आई। वे अपनी सरकार के 4 कैबिनेट मंत्रियों और लिबरल पार्टी के चार सांसदों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे थे। जैसे ही ट्रूडो मंच पर पहुंचे, कुछ लोगों ने सभा में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने सभा में ज्यादा लंबा भाषण नहीं दिया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, कनाडा में तकरीबन सिख समुदाय के 8 लाख लोग रहते हैं। हम कसम खाता हूं कि हम आपके अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे और हमेशा नफरत और भेदभाव से आपके समुदाय की रक्षा करेंगे।

ट्रूडो के भाषण में होती रही खालिस्तान जिंदाबाद की नारेबाजी: जस्टिन ट्रूडो जितने समय सभा को संबोधित कर रहे थे, दर्शकदीर्घा में मौजूद लोगों द्वारा लगातार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। उन्होंने अपनी स्पीच में कहा, आपके पास बिना किसी से डरे और स्वतंत्र रूप से अपने धर्म की रक्षा करने और उसका पालन करने का अधिकार है। इसके लिए हम हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे और आपकी रक्षा करेंगे। हम आपके साथ हैं।

ट्रूडो ने पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का अपने भाषण में जिक्र नहीं किया।

बता दें कि निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडाई संसद में ट्रूडो के बयान पर भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधों में खटास आ गई थी। ट्रूडो ने सीधे तौर पर भारत का नाम लिया था और दावा किया था कि निज्जर हत्याकांड में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता थी। हालांकि ट्रूडो सरकार अभी तक भारत के खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई है।

सऊदी अरब ने हज यात्रा 2024 के लिए सख्त किए नियम, फतवा परिषद ने जारी किए नए आदेश

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब ने हज यात्रा 2024 को लेकर नियमों को और सख्त कर दिया है। सऊदी अरब के वरिष्ठ विद्वानों की परिषद के नए फतवे अनुसार आधिकारिक परमिट के बिना

हज यात्रा पर बैन लगा दिया गया है। सऊदी अरब की फतवा परिषद ने हज के लिए परमिट अनिवार्य घोषित करते हुए नियमों का कड़ाई से पालन करने की बात कही है। ये हज यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत उठाया गया कदम है। ये निर्णय आंतरिक मंत्रालय, हज मंत्रालय, ग्रैंड मस्जिद और पैगंबर की मस्जिद के मामलों की देखभाल के लिए बने सामान्य प्राधिकरण के सहयोग से लिया गया है। सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हज करने की योजना बना रहे लोगों से नए नियमों और दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। फतवा परिषद के अनुसार, लोगों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों और जोखिमों के बारे में चिंताओं को देखते हुए ये फैसला लिया है। हज परमिट प्राप्त करना न केवल एक कानूनी दायित्व है बल्कि इस्लामी शिक्षाओं के अनुपालन के लिए भी अहम है। जो लोग इस जिम्मेदारी को पूरा करेंगे वे न केवल कानूनी परिणामों से बचेंगे बल्कि उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा।

पाकिस्तान में बढ़ेगी लड़कियों की शादी की उम्र!

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान में कम उम्र में लड़कियों की शादी हो जाती है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, बाल संरक्षण कल्याण ब्यूरो (सीपीडब्ल्यूबी) ने पंजाब सरकार के सामने बाल विवाह निरोधक विधेयक 2024-25 का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव का लक्ष्य लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल तक बढ़ाने का है। सीपीडब्ल्यूबी की अध्यक्ष सारा अहमद ने पंजाब के गृह सचिव नूरुल अमीन मेंगल से बाल विवाह की हानिकारक प्रथा से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है। अहमद ने पाकिस्तान जनसांख्यिकी स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2017-18 का हवाला देते हुए खुलासा किया कि पंजाब में, 20 से 24 वर्ष की आयु की 18 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी, जबकि 2 प्रतिशत की शादी 15 साल की उम्र से पहले हो गई थी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय विधानसभा (एमपीए) के सदस्य और सीपीडब्ल्यूबी अध्यक्ष दोनों के रूप में, सारा अहमद इस महत्वपूर्ण विधायी प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए गृह विभाग के समर्थन के लिए रैली कर रही हैं।

बाइडन और नेतन्याहू के बीच फोन पर हुई लंबी बातचीत

तेल अवीव, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने रविवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फिर से फोन पर बात की है, क्योंकि इजरायल और हमास पर एक समझौते पर पहुंचने का दबाव बढ़ रहा है, जो कुछ इजरायली बंधकों को मुक्त करेगा और गाजा में लगभग सात महीने से चल रहे युद्ध पर संघर्ष विराम लगाएगा।

व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन ने अपना साफ रुख दोहराया है, क्योंकि वैश्विक चिंता के बावजूद इजरायल ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफा पर वहां शरण लिए हुए 1 मिलियन से अधिक फिलिस्तीनियों के मौजूद होने पर भी आक्रमण करने की योजना बनाई है।

गाजा में मानवीय सहायता बढ़ाई जाएगी: अमेरिका मानवीय आधार पर आक्रमण का विरोध करता है, जिससे सहयोगियों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सोमवार को मध्य पूर्व लौटते समय जिन देशों का दौरा करेंगे उनमें इजरायल भी शामिल है। बयान के अनुसार, बाइडन ने इस बात पर भी जोर दिया कि गाजा को मानवीय सहायता निरंतर और बढ़ाई जाएगी।

कॉल एक घंटे से भी कम समय तक चला और वे इस बात पर सहमत हुए कि बातचीत में नवीनतम प्रस्ताव को स्वीकार करने की जिम्मेदारी हमास पर बनी हुई है, एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि नेतन्याहू के कार्यालय से कोई टिप्पणी नहीं आई।

इस बीच, प्रमुख मध्यस्थ कतर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इजरायल और हमास से बातचीत में अधिक प्रतिबद्धता और अधिक गंभीरता दिखाने का आग्रह किया।

कतर ने दिए हताशा के संकेत: दोहा में हमास के मुख्यालय की मेजबानी करने वाले कतर ने नवंबर में युद्ध को कुछ समय रोकने के लिए बातचीत में मदद करने में अमेरिका और मिस्र के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके बाद दर्जनों बंधकों को रिहा किया गया था, लेकिन हताशा का संकेत देते हुए कतर ने इस महीने कहा कि वह अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।

बातचीत में नवीनतम प्रस्तावों पर चर्चा के लिए आने वाले दिनों में एक इजरायली प्रतिनिधिमंडल के मिस्र में आने की उम्मीद है और हमास के वरिष्ठ अधिकारी बसेम नईम ने एसोसिएटेड प्रेस को एक संदेश में कहा कि उग्रवादी समूह का एक प्रतिनिधिमंडल भी काहिरा जाएगा। मिस्र के सरकारी स्वामित्व वाले अल काहेरा न्यूज सैटेलाइट टीवी चैनल ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल सोमवार को आएगा।

कतर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने की टिप्पणी: लिबरल डेली हारेत्ज और इजरायली सार्वजनिक प्रसारक कान के साथ साक्षात्कार में कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी की टिप्पणियां शनिवार शाम को प्रकाशित और प्रसारित की गई थी।

अल-अंसारी ने हमास और इजरायल पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक पक्ष ने राजनीतिक हितों के आधार पर निर्णय लिए हैं, न कि नागरिकों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी स्थिति पर कायम हैं। इसके अलावा कोई विवरण नहीं दिया।

अल-अंसारी की टिप्पणी तब आई जब मिस्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने इजरायली अधिकारियों के साथ गाजा में लंबे समय तक संघर्ष विराम के लिए नए दृष्टिकोण पर चर्चा की।

इजरायल का हमास को हराने तक युद्ध रोकने करने से इनकार: मिस्र के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर घटनाक्रम पर स्वतंत्र रूप से बात की। मिस्र के अधिकारी ने कहा कि इजरायली अधिकारी समझौते के दूसरे चरण के हिस्से के रूप में गाजा में स्थायी संघर्ष विराम स्थापित करने पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। इजरायल ने हमास को हराने तक युद्ध रोकने से इनकार कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि दूसरा चरण नागरिकों और बीमार बंधकों की रिहाई के बाद शुरू होगा और इसमें सैनिकों की रिहाई पर बातचीत भी शामिल होगी। वरिष्ठ फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा और पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

खबर-खास

5-स्टार सुरक्षित कुशाक और स्लाविया MY24 अपडेट के साथ और भी सुरक्षित हुई

नईदिल्ली। कुशाक एसयूवी,अक्टूबर 2022 में और अप्रैल 2023 में स्लाविया सेडान के साथ सुरक्षा के नए मानक स्थापित करने के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक और स्लाविया के सभी वैरिएंट में स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग्स की पेशकश कर सुरक्षा की दिशा में आगे बढ़ना जारी रखा है। यह पेशकश कंपनी के ऐतिहासिक मेड-फॉर-इंडिया, रेडी-फॉर-द-वर्ल्ड इंडिया 2.0 प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो के लिए MY24 अपडेट का हिस्सा है। अपग्रेड के बारे में स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक पीटर जनेबा ने कहा, स्कोडा डीएनए में सुरक्षा हमेशा से उसकी बुनियाद रहा है। हम ग्लोबल एनसीएपी परीक्षणों के तहत वयस्कों और बच्चों के लिए पूरे 5-स्टार स्कोर करने वाले पहले ब्रांड थे। सुरक्षा पर हमारा जोर हमारे मानवीय जुड़ाव के दृष्टिकोण का प्रतीक है और एक पारिवारिक ब्रांड होने पर हमारे फोकस को सामने लाता है। हमने हमेशा अपने बेस वैरिएंट में फ्रंटल एयरबैग और अपने उच्च वैरिएंट में छह एयरबैग्स की पेशकश की है, जो दूसरे की तरह पूरी तरह से सुरक्षित है। हमारे MY24 अपडेट के तहत अब हम कुशाक और स्लाविया के सभी वैरिएंट में छह एयरबैग्स प्रदान करते हैं। हम हमेशा अपने ग्राहकों की बात सुन रहे हैं और अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो और हमारे वैरिएंट लाइन-अप के भीतर जरूरी अपग्रेड्स और महत्वपूर्ण प्रॉडक्ट एक्शंस मुहैया कराना जारी रखेंगे।''

मारुति सुजुकी ने शुरू की अपनी बहुप्रतीक्षित कार एपिक न्यू स्विफ्ट की प्री-बुकिंग

नई दिल्ली। देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी बहुप्रतीक्षित कार चौथी पीढ़ी की एपिक न्यू स्विफ्ट के लिए प्री-बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक 11,000/- रुपए का भुगतान कर एपिक न्यू स्विफ्ट की प्री-बुकिंग करा सकते हैं। इस ऑल न्यू जेनेरेशन, एपिक न्यू स्विफ्ट को पहले से बेहतर डायनेमिज्म और मजेदार ड्राइविंग के अनुभव के साथ इसकी बहुचर्चित सिग्नेचर स्पोर्टी डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। मारुति सुजुकी की स्विफ्ट भारत की नंबर 1 प्रीमियम हैचबैक कार रही है। लॉन्च के बाद से इसकी 29 लाख से अधिक कारें बिक चुकी हैं। अपने बेशुमार प्रशंसकों के साथ, इस स्पोर्टी प्रीमियम हैचबैक ने स्पोर्टी और डायनेमिक ड्राइविंग पर्फेर्मेंस के मामले में अपने सेगमेंट के बेंचमार्क को नए सिरे से परिभाषित किया है। अब, एपिक न्यू स्विफ्ट दमदार तरीके से अपनी इस समृद्ध विरासत को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है! इस घोषणा पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जिक्यूटिव ऑफीसर, मार्केटिंग एंड सेल्स, श्री पार्थो बनर्जी ने कहा, मारुति सुजुकी के लिए स्विफ्ट एक सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड रहा है। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसने बदलते समय के साथ ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने में बड़े बदलाव किए हैं।

सोनी इंडिया ने ब्राविया थिएटर क्वाड के साथ पेश किया होम सिनेमा एंटरटेनमेंट का बेहतरीन विकल्प

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज ब्राविया थिएटर क्वाड के लॉन्च किया जिसके साथ यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य का होम एंटरटेनमेंट (घरेलू मनोरंजन) कैसा हो। यह अनोखा ऑडियो सिस्टम है, जो सिनेमा के अनुभव नए रूप में पेश करता है। दर्शकों को उनकी पसंदीदा फिल्मों और टीवी शो का भरपूर आनंद लेने के लिए तैयार, ब्राविया थिएटर क्वाड बेहतरीन साउंड क्वालिटी और इमर्सन प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को सुरुचिपूर्ण डिज़ाइन के साथ जोड़ता है। 360 स्पैशियल साउंड मैपिंग, साउंड फील्ड ऑप्टिमाइज़ेशन और आईमैक्स एन्हांस्ड और डॉल्बी एटमॉस के साथ अनुकूलता जैसी सुविधाओं के साथ, ब्राविया थिएटर क्वाड दर्शकों को अपने घर में शानदार ऑडियो का अनुभव प्रदान करने का वादा करता है। ब्राविया थिएटर क्वाड ने होम ऑडियो में क्रांति की शुरुआत करते हुए 360 स्पैशियल साउंड मैपिंग की पेशकश की है। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एक त्रि-आयामी ऑडियो का माहौल तैयार करती है, जो हर दिशा से श्रोताओं को घेर लेती है। यह सिनेमा के इमर्सिव साउंडस्केप का प्रतिबिंब है, जो बड़े स्क्रीन के जादू को सीधे आपके लिविंग रूम में लेकर आता है। फ्लैट ऑडियो को अलविदा कहें और ब्राविया थिएटर क्वाड के साथ फिल्मों और टीवी शो का अनोखे तरीके से आनंद लें। सोनी के नए ब्राविया थिएटर क्वाड में एक प्रीमियम डिज़ाइन है, जो आपके लिविंग रूम के साथ सहजता से मेल खाता है, जो घर में सिनेमाई अनुभव को समृद्ध करता है। 360 स्पैशियल साउंड मैपिंग और अकूस्टिक सेंटर सिंक जैसे फीचर इमर्सिव ऑडियो प्रदान करते हैं जो मूवी थियेटर के माहौल को प्रतिबिंबित करता है। पर्यावरण के प्रति जागरूक डिज़ाइन के लिए रीसायकल की गई सामग्री का उपयोग करते हुए, ये उत्पाद न केवल साउंड क्वालिटी बढ़ाते हैं बल्कि सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समावेश सुनिश्चित करते हुए एक्सेसिबिलिटी के फीचर को भी जोड़ते हैं।

सर्व समाज मोदी के विकास नीति के साथ है, भाजपा सरकार की योजनाएं महिलाओं को सशक्त बना रही : भावना बोहरा

विधायक भावना बोहरा ने भिलाई में विभिन्न सामाजिक व लाभांवित महिलाओं से किया संवाद

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में दो चरण के मतदान हो चुके हैं इसी कड़ी में तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होने हैं जिसमें दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा और सरगुजा शामिल हैं। राजनांदगांव लोकसभा चुनाव में लगातार जनता के बीच सक्रियता से चुनाव प्रचार करते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनसंपर्क किया और अब दुर्ग लोकसभा में भी वो जनता के बीच पहुंचकर केंद्र व छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की योजनाओं को न केवल जनता तक पहुंचा रही है बल्कि महिलाओं से सीधे जुड़कर संवाद भी कर रहीं हैं।

मंगलवार को भावना बोहरा ने दुर्ग लोकसभा के अंतर्गत वैशाली नगर विधानसभा के शांति नगर में जैन समाज की महिलाओं, केम्प-1 में तेलुगू समाज की महिलाओं व स्थानीयजनों तथा गोल मार्केट कन्या स्कूल वैशाली नगर में महतारी वंदन योजना की लाभार्थियों और जवाहर नगर बैठक में महिलाओं से संवाद कर भाजपा के विकास कार्यों तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी देकर भाजपा को वोट देने की अपील की।

विधायक भावना ने संवाद करते हुए कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था से लेकर हर क्षेत्रों में सभी समाज व वर्ग की महिलाएं अपनी सक्रीय भागीदारी सुनिश्चित कर रहीं हैं तो वहीं नेतृत्व भी कर रहीं हैं। महिला शक्ति समाज के सभी क्षेत्रों में मौजूद है और देश के विकास के लिए अहम है। 'अगर हम कानून, शिक्षा, विज्ञान और पुलिस में 'नारी शक्ति' की ओर देखें, तो हमारी बेटियां और माताएं भारत में अहम योगदान दे रही हैं। आज से 10 वर्ष पूर्व एक समय ऐसा था जब देश की महिलाएं चूल्हे के धुएं से अस्वस्थ हो रही थी, लेकिन अब उज्ज्वला योजना से उन्हें धुएं से मुक्ति मिली है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत महिलाओं को इज्जत घर मिला, आवास योजना में महिलाओं को प्राथमिकता से उन्हें सम्मान मिला और बेटी बचाओ-बेटो पढ़ाओ जैसे अभियान से बेटियों को उज्ज्वल भविष्य की राह मिली है यह तभी संभव हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जैसा एक सशक्त और निर्णय लेने वाला नेतृत्व भारत को मिला। 2047 तक विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के संकल्प में महिलाओं की भूमिका को भी अग्रणी रूप में देखा जा रहा है और उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

भावना ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार निरंतर महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना से आज प्रदेश की लाखों माताओं-बहनों को आर्थिक सुरक्षा मिल रही है। महिला स्वसहायता समूह की बहनों को रेडी-टू-ईट का पुन: अधिकार देकर भाजपा सरकार ने महिला सशक्तिकरण के प्रति अपने लक्ष्य को प्रदर्शित किया है। आज यहां महतारी वंदन योजना से लाभान्वित माताएं-बहनें भी उपस्थित हैं, उनके चेहरे पर दिख रही खुशी और एक आत्मविश्वास देखकर मैं आश्वस्त हूँ कि आप सभी महिलाओं का सहयोग और प्रधानमंत्री की गारंटी के प्रति विश्वास से हम लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर जीत दर्ज कर मोदी जी का हाथ मजबूत करने वोट के रूप में अपना आशीर्वाद जरुर देंगे।

महिला स्व-सहायता समूह करेंगी शहद प्रसंस्करण संयंत्र का संचालन

कवर्धा (समय दर्शन)। वैदिक काल से अमृत नाम से जाना-जाने वाला शहद प्रकृति की मानवता को अनुपम देन है। इसमें अवकारण शर्कराए, कुछ प्रोटीन, विटामिन तथा लवण होते है। सभी आयु वर्ग के लोगो हेतु शहद लाभकारी है। छत्तीसगढ़ राज्य में कबीरधाम जिले के अंदर सर्वाधिक जंगली शहद पाया जाता है। जिले के बोड़ला ब्लॉक में बांधाटोला में नवीन तकनीक पर आधारित शहद प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित किया गया है। संपूर्ण जिले से जंगली शहद महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संग्रहण कर बोड़ला (बांधाटोला) में मंगवाया जाता है।

बोड़ला में इसे प्रसंस्कृत किया जाता है। इस मशीन में 500 कि.ग्रा. शहद का प्रसंस्करण मात्र 8 घंटो में हो जाता है। मशीन का संचालन महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा था। नवीन मशीन स्थापना के पश्चात पूणे से विषय विशेषज्ञ को बुलाकर महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को मशीन का संचालन करने का प्रशिक्षण 29.04.2024 से 01.05.2024 तक दिया गया। महिला स्व-सहायता समूह सदस्यो द्वारा उत्साह एवं उल्लासपूर्ण होकर सफल प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वनमण्डलाधिकारी शशि कुमार ने बताया कि इस प्रसंस्कृत शहद को ''छत्तीसगढ़ हर्बल'' के माध्यम से संपूर्ण भारत में भेजा जावेगा तथा स्व-सहायता समूह को संचालन इसलिये दिया गया है कि वे आत्म-निर्भर बनें। उनमें उद्यामिता के गुण आए तथा इनकी आय में वृद्धि हो।

वनमंडल कवर्धा ने 38 सागौन सिलपट एवं 4 नग सागौन गोला जब्त किया

कवर्धा (समय दर्शन)। वनमण्लाधिकारी, कवर्धा ने काफी दिनों बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम केशदा में नाला किनारे व खेतों के मेढ़ में 4 नग सागौन गोला व 38 सागोन सिलपट जब्त करने में सफ्लता पाई है।

वनमंडल कवर्धा के अनुसार दिनांक 29.04.2024 को सायं सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम केशदा के स्थानीय निवासी के घर के पीछे नाला के किनारे में एवं खेतो के मेढ़ में सागौन गोला एवं सागौन सिलपट अज्ञात व्यक्ति द्वारा छुपाकर रखा गया है। दूसरे दिन 30.04.2024 को परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा के नेतृत्व में दल गठन कर उपरोक्त स्थल में तलाशी लेने हेतु वन अधिकारी एवं वन कर्मचारियो को भेजा गया। दल द्वारा बताये गये स्थल का भ्रमण कर वनोपज तलाशी की कार्यवाही की गई। तलाशी के दौरान 38 नग सागौन सिलपट एवं 04 नग सागौन गोला पाया गया। उक्त वनोपज के संबंध में स्थानीय ग्रामीणो से पूछताछ की गई। इस पर सभी ने अनभिज्ञता जाहिर किया। तत्पश्चात वन अधिकारी एवं कर्मचारियो द्वारा ग्राम झण्डी से ट्रेक्टर बुलाकर स्थल पर प्राप्त कुल वनोपज 38 नग सागौन सिलपट एवं 04 नग सागौन गोला कुल 42 नग = 2.350 घ.मी. वनोपज को ट्रेक्टर में लोड कराकर अस्थाई डिपो लालपुर भेजा गया है। प्रकरण विचाराधीन है।

हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर किए अतिक्रमण को हटाया गया

ठेला गुमटी के कारण होने वाली परेशानी की खबर को प्रमुखता से उठाया था, नगर पंचायत ने की कार्रवाई

समय दर्शन खबर का असर

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन द्वारा आज सुबह ही शासकीय हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर अतिक्रमण किए थे उसे हटाया गया। बता दे की समय दर्शन ने इस खबर को प्रमुखता से प्रसारित किया था। जिसके बाद नगर पंचायत ने यह कार्रवाई की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में मुख्य द्वार के सामने ही प्रवेश द्वार पर दो लोगो द्वारा दोनो छोर पर ठेला गुमटी लगाकर अतिक्रमण किया गया था। । इस ठेला गुमटी के कारण अस्पताल आने जाने वालो को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था । अस्पताल में आने वाले लोग गाड़ी गेट के सामने खड़ी करते थे। अतिक्रमण होने के कारण गाड़ी भी व्यवस्थित रूप से खड़ा नही कर पा रहे थे। मरीजों के परिजनों का कहना था की मुख्य गेट के सामने ही अतिक्रमण कर ठेला गुमटी होने से बाहर निकलते समय बाहर से आने वाले वाहन नहीं दिख पाता। इस कारण अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इसे देखते हुए नगर पंचायत ने आज अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है।

छुईया मे बालेश्वर पटेल का विदाई समारोह का आयोजन

सरायपाली (समय दर्शन)। छुईया (छुईपाली) मे बालेश्वर पटेल का विदाई समारोह का आयोजन किया गया था जिसमे उनके परिवार व ग्रामवासी ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया व विदाई समारोह को सफ्ल बनाने मे पूरा योगदान दिया, यह विदाई समारोह उनके द्वारा पढाये गए पूर्व छात्र छात्राओं द्वारा रखा गया था,, जिसमे डी जे व बैंड पार्टी के साथ उनका स्वागत किया गया व ग्राम भ्रमण किया गया जिसमे गांव के वरिष्ठ नागरिक रामेश्वर पटेल, जगदीश पटेल खगेश्वर पटेल धोबाराम चौहान, दयाराम चौहान डोलामाणी चौहान शोभाराम चौहान, राजिम चौहान, बृन्दावन यादव ब्रम्हानंद यादव सदानंद यादव हिरा चौहान, हरी चौहान व उनके सुपुत्र दुष्यंत पटेल शामिल रहें, जिसका संचालन राजू चौहान व बसंत चौहान ने किया जिसमे भोगीलाल यादव देवराज पटेल व पूर्व छात्र रोहित चौहान अजय चौहान सुशील चौहान, अशोक चौहान संजय चौहान अनित यादव तेजराम यादव, पवन यादव, छत्तर चौहान, संतोष चौहान रमेश चौहान, कन्हैया चौहान, भूपेश चौहान, रामप्रसाद चौहान, करन यादव, मकरध्वज बरिहा, खिरोद यादव, देव पटेल, मिनकेतन पटेल, नरेंद्र पटेल, टीकाराम पटेल, शेखर पटेल ने अपनी पूरी सक्रियता दिखाई व इस पूरी कार्यक्रम का रुपरेखा पूर्व विधायक प्रत्याशी अजीत चौहान के देख रेख मे किया गया। इस कार्यक्रम का प्रयोजक लवली फोटोग्राफी (तरुण चौहान) रहे ।

कोकिलाबेन हॉस्पिटल ने एन्हांस्ड शोल्डर रिप्लेसमेंट के लिए भारत में पहली बार लॉन्च की वर्च्युअल इम्प्लांट पोज़िशनिंग के साथ आर्थ्रेक्स ग्लेनोइड सिस्टम

मुंबई : कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटलने कंधे की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए वर्च्युअल इम्प्लान्ट पोज़िशनिंग (ङ्कढ्ढक्क) के साथ आर्थ्रेक्स मॉड्यूलर ग्लेनोइड सिस्टम की क्रांतिकारी तकनीक भारत में लॉन्च की है। वीआईपी सिस्टम का इस्तेमाल करके रिवर्स टोटल शोल्डर रिप्लेसमेंट के लाइव प्रदर्शन में इस को दिखाया गया। वीआईपी के साथ आर्थ्रेक्स मॉड्यूलर ग्लेनोइड सिस्टम ऑर्थोपेडिक्स में बढ़ाया गया एक बहुत बड़ा कदम है, जो बेहतर सटीकता, तुरंत रिकवरी और मरीज़ों को बेहतर परिणाम प्रदान करता है। कोकिलाबेन हॉस्पिटल अपनी असाधारण स्पोर्ट्स मेडिसिन सेवाओं के लिए मशहूर है, मरीज़ की व्यक्तिगत ज़रूरतों के अनुरूप समाधानों और उन्नत तकनीकों के साथ नए और अच्छे उपचार करने के लिए पहचाना जाता है। वर्चुअल इम्प्लांट की नयी तकनीक के आने से, अब हॉस्पिटल की स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम मरीज़ों की देखभाल और परिणामों को बेजोड़ मानकों तक बढ़ाने में अग्रणी स्थान पर पहुंच चुकी है। आर्थराइटिस या चोट लगने पर कंधे के जॉइंट में होने वाली गंभीर समस्याओं में दर्द को कम करने और कंधे के कार्य को फिर से शुरू करने के लिए कंधे की रिप्लेसमेंट सर्जरी की जाती है। इसके पारंपरिक तरीकों में कभी-कभी इम्प्लांट के सटीक प्लेसमेंट और हर मरीज़ की विशेष शारीरिक रचना को अपनाने में कठिनाई होती है। वीआईपी के साथ आर्थ्रेक्स मॉड्यूलर ग्लेनोइड सिस्टम में उन्नत तकनीक और सावधानीपूर्वक योजना के साथ इन समस्याओं को निपटा जा सकता है। कंधे की सर्जरी में यह एक क्रांतिकारी परिवर्तन है, जिससे सर्जन और मरीज़ दोनों को लाभ मिलते हैं।

ज्ञानोदय विद्यालय जांजगीर का वार्षिक परीक्षाफ़ल उत्कृष्ट

जांजगीर(समय दर्शन)। ज्ञानोदय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के शैक्षणिक सत्र - 2023-2024 के कक्षा नर्सरी से बारहवीं हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम का वार्षिक परीक्षाफल संस्था के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव, शिक्षक-शिक्षिका, पालक एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में घोषित किया गया। जिसमें विद्यालयीन छात्र- छात्राओं ने विगत वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने माता - पिता एवं विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के नाम इस प्रकार है - अंग्रेजी माध्यम कक्षा - नर्सरी - साहिल यादव - प्रथम, आर्यन यादव - द्वितीय, प्रिंस कारके - तृतीय। कक्षा के. जी. वन - अर्पण कारके - प्रथम, परिधी धीवर - द्वितीय, पूर्वी यादव - तृतीय। के.जी. टू - समर यादव - प्रथम, युग चौरसिया - द्वितीय, अंशिका राठौर - तृतीय। कक्षा पहली - जया मानिकपुरी - प्रथम, चहक सूर्यवंशी - द्वितीय, मयंक रौतिया - तृतीय। कक्षा दूसरी - चार्वी धीवर - प्रथम, हिमांशी पटेल - द्वितीय, अनन्या सुरगे - तृतीय। कक्षा तीसरी - आर्यन यादव - प्रथम, आशी राठौर - प्रथम, अर्निका यादव - द्वितीय, विपिन प्रधान - तृतीय। कक्षा चौथी - निधी ताम्रकार - प्रथम, हीना यादव - द्वितीय, मोब्सरा खान - तृतीय। कक्षा पांचवी - थावेश ठेठ्वार - प्रथम, खुशी श्रीवास - द्वितीय, वैष्णवी - तृतीय। कक्षा छठवीं - इशिता यादव - प्रथम, दीपांशी यादव - द्वितीय, नाफेया बानो - तृतीय। कक्षा सातवीं - सोनाक्षी साहू - प्रथम, आस्था यादव - द्वितीय, गुंजन कंवर - तृतीय। कक्षा आठवीं - ऋषि खत्री - प्रथम, कक्षा नवमीं - श्वेता निराला - प्रथम, रुची राठौर - द्वितीय, गीत कश्यप - तृतीय। हिंदी माध्यम कक्षा - पहली - नेहा धीवर - प्रथम, भूमि राठौर - द्वितीय, काजल सूर्यवंशी - तृतीय। कक्षा - दूसरी - गौरव यादव - प्रथम, गीतिका यादव - प्रथम, माहि बंजारे - द्वितीय, योगिता कश्यप - तृतीय। कक्षा तीसरी - प्रज्ञा चौहान - प्रथम, ज्योति दास - द्वितीय, अंकिता राठौर - तृतीय, हितेश यादव - तृतीय। कक्षा चौथी - काव्या कारके - प्रथम, प्रतीक गुरनानी - द्वितीय, श्रुति बरेठ - तृतीय। कक्षा पांचवी - ज्ञानदिव्य राठौर - प्रथम, खुशी यादव - द्वितीय, एकलव्य साहू - तृतीय, संस्कृति चौहान - तृतीय। कक्षा छठवीं - पुष्कर देवांगन - प्रथम, आरुषी यादव - द्वितीय, सोम यादव - द्वितीय, जितेश सोनवानी - तृतीय। कक्षा सातवीं - चित्रांशी यादव - प्रथम, मयूरी गुरनानी - प्रथम, भावना देवांगन - द्वितीय, युवराज यादव - तृतीय। कक्षा आठवीं - श्रुति यादव - प्रथम, गुंजा निर्मलकर - द्वितीय, रामाधीन रजक - तृतीय। कक्षा नवमीं - याशिका देवांगन - प्रथम, श्रेया बरेठ - द्वितीय, सोमी अली - तृतीय। कक्षा ग्यारहवीं (जीवविज्ञान-संकाय) - भूमिका यादव - प्रथम, शुभलक्ष्मी निराला - द्वितीय। कक्षा ग्यारहवीं (गणित-संकाय) - हिमांशु राठौर - प्रथम, अपशा परवीन - द्वितीय। कक्षा ग्यारहवीं (वाणिज्य-संकाय) - दीपिका चौहान - प्रथम, भीमा सूर्यवंशी - द्वितीय। कक्षा ग्यारहवीं (कला-संकाय) - वैभव यादव - प्रथम। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव ने सभी होनहार छात्र - छात्राओं को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें भविष्य में इससे अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षाफल का श्रेय शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिया। अभिभावकों को भी निरन्तर समर्पण एवं सहयोग करने हेतु धन्यवाद प्रेषित किया।

संक्षिप्त-खबर

शासकीय हाईस्कूल कुदारीबाहरा का स्थानीय परीक्षा परिणाम घोषित

बसना (समय दर्शन)। बसना ब्लाक के शासकीय हाई स्कूल कुदारीबाहरा मे वार्षिक परीक्षा परिणाम 30अप्रैल को संस्था के प्राचार्य दुर्योधन साव द्वारा घोषित किया गया। जिसमें कक्षा नवमी में प्रथम कु. धारिणी मांझी 76.6प्रतिशत ,द्वितीय कु.किरण कसौदी 76.5 प्रतिशत, तृतीय कु.कविता साव 72.6प्रतिशत एवं कु. नीता कसौंदी का विद्यालय में 70 प्रतिशत के साथ चतुर्थ स्थान रहा । इस अवसर पर प्राचार्य दुर्योधन साव व्याख्याता गजानन भोई , व्याख्याता श्रीमती मीना तिर्की, व्याख्याता श्रीमती मनीषा ध्रुव व्याख्याता रामसिंह नाग ने सफ्ल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए हर्ष व्यक्त किया एवं जिन विद्यार्थियों ने कम अंक से उत्तीर्ण हुए है उन्हें निराश न होने की सलाह देते हुए भविष्य में कड़ी मेहनत करने को कहा । स्थानीय परीक्षा का परिणाम सौ प्रतिशत रहा ।यह जानकारी स्थानीय परीक्षा प्रभारी गजानन भोई ने दी।

प्राथमिक शाला दुधिपाली मे वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक विद्यालय दुधीपाली मे वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। शाला के 57बच्चों मे से55बच्चे परीक्षा मे सम्मिलित हुए और् सभी उत्तीर्ण हुए। जिसमे कक्षा 5 वीं से प्रितेश, रिद्धी, योगिता.. कक्षा 4थीं से शिवम, मेघा, लोकेश, प्रियांशु..कक्षा 3री से स्वाती, टिकेश, रूपानन्द..कक्षा 2री से अभय, हरीश, हेमलता..एवं 1ली से आहना, अल्का, जान्हवी ने क्रमश: प्रथम-द्वितीय- तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्ययक्ष प्रफुल्ल साहू, प्रह्लाद बारीक, टंकधर बारिक उपस्थित थे। विद्यालय की प्रधान पठिका श्रीमती उषा ठाकुर ने बच्चों की उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रधान पाठक बाँसुला प्रवीर कुमार बेहेरा ने दी।

हत्या के आरोपी को बसना पुलिस ने किया गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। आरोपी ताराचंद चौहान पिता स्व फुलसाय चौहान उम्र 35 साल निवासी बहुलीडीह थाना बरमकेला जिला सारंगढ-बिलाईगढ अपनी पत्नि मृतिका गंगाबाई चौहान उम्र 30 साल के साथ रोजी मजदूरी करने आशाराम भास्कर ग्राम छुईपाली के फार्म हाउस में आये थे ,,एवं फार्म हाउस में निवासरत थे,,जो दिनांक 29.04.2024 को 10.00 बजे से 11.30बजे के मध्य आरोपी ताराचंद चौहान के द्वारा अपनी पत्नि गंगाबाई चौहान के चरित्र पर शंका कर उसे हाथ मुक्का, डंडा से मारपीट कर हाथ,पैर,गला,नाक,सिर में चोंट पहुंचाया । मारपीट करने से आई चोंट से गंगाबाई की मृत्यु हो गया । प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बसना में अपराध क्रमांक 220/2024 धारा 302 भादवि का अपराध पंजीबद्ध किया गया। इस दौरान विवेचना मृतिका के शव का पंचनामा कर पी0एम0 कराया गया । आरोपी ताराचंद को दिनांक 30.04.2024 को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से घटना में प्रयुक्त डंडा को जप्त किया गया है ।आरोपी को दिनांक 01.05.2024 को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर मान0 न्यायालय बसना मे पेश किया गया । गिरफ्तार आरोपी का नाम ताराचंद चौहान ,पिता- स्व0 फुलसाय चौहान, उम्र -35 साल, निवासी- बहुलीडीह, थाना- बरमकेला, जिला- सारंगढ बिलाईगढ छ0ग0 संपूर्ण कार्यवाही एस पी महासमुन्द एवं एसडीओपी सरायपाली तथा थाना प्रभारी शशांक पौराणिक के मार्ग दर्शन में थाना बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

शासकीय प्राथमिक शाला कुरमाडीह के प्रधानपाठक बिहारी लाल जगत को विदाई कार्यक्रम में किया सम्मानित

भंवरपुर(समय दर्शन)। बसना विकासखंड के प्राथमिक शाला कुरमाडीह के प्रधानपाठक बिहारी लाल जगत सेवानिवृति हुए। उनका शैक्षिक कार्यकाल अपने गाँव कुरमाडीह में पूरा हुआ। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक लोग शामिल हुए।जिसमें संकुल केन्द्र जमदरहा से उत्तर कुमार चौधरी नोडल प्राचार्य,डिजेन्द्र कुर्रे समन्वयक, महेंद्र प्रधान पूर्व समन्वयक, दयामणि सिदार,जगन्नाथ राणा पूर्व समन्वयक,बेलटिकरी समन्वयक गोसाई राम खूंटे, मिलन सिंह खरे सेवानिवृत शिक्षक,बड़े साजापाली समन्वयक त्रिलोचन पटेल, सरपंच ललिता कश्यप, सोनसाय बरिहा जनपद सदस्य, दुर्योधन पटेल जमदरहा सरपंच मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सेवानिवृत्त प्रधानपाठक बिहारी लाल जगत ने कहा कि मुझे कुरमाडीह की जनता ओर से ढ़ेर सारा प्यार और स्नेह मिला है। जिसे मैं कभी भुला नहीं पाऊंगा। उन्होंने यह भी कहा कि नौकरी शिक्षा विभाग में संकुल जमदरहा, संकुल बेलटिकरी में रहा

शिक्षकों के बीच अच्छा सबंध रहा है।आज अपने गृह ग्राम से प्रधानपाठक के पद से सेवानिवृत्त हो रहा हूँ । अपने शिक्षा कार्यकाल में मुझे अपनापन लगने लगा है इसमें आप सभी का स्नेह प्यार के वजह से है।सभी अतिथियों ने दीर्घायु की कामना करते हुए जगत जी को सम्मानित किया गया। साल, श्रीफ्ल, अभिनन्दन पत्र, स्मृति चिन्ह, डायरी, पेन, संविधान पुस्तक, भगवत गीता, रामायण, काव्य संग्रह सुमता के अंजोर, सतनाम चालीसा भेंट कर सम्मानित किया गया। तीन संकुल जमदरहा, बड़े साजापाली, बेलटेकरी से आए शिक्षक शिक्षिका जिसमें टेकचंद नायक, रजनी सिदार, भूपेंद्र देवांगन, लीलाधर पटेल, आशीष कुजूर, राजन कर, कमलेश कमार, चंद्रशेखर दिवान, डोलामणि पटेल,जितेन्द्र नाग, शिमला चौहान, रुपलता कुर्रे, सतकुमारी चतुर्वेदी, देवकी साहू, बसंत साहू, प्रहलाद साहू, गंगाधर प्रसाद द्विवेदी, मनोज नायक, जगदीश मांझी, सुखीराम बसंत, ज्वाला प्रसाद, विजय चतुर्वेदी, डोसराम बसंत जगदीश मांझी, विषम्भर ठाकुर, अशोक सोनवानी, संगीता साहू, सुकांति साहू, घनश्याम साहू, यशपाल ठाकुर, शंकर सिंह सिदार के अलावा अन्य शिक्षकों को आभार व्यक्त कर बधाई दिया।

कांग्रेस करती है तुष्टिकरण जवाब में शैलेश ने कहा कांग्रेस के घोषणा पत्र से घबरा उठी भाजपा

बिलासपुर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी ने आज एक बार फ्रि से कांग्रेस के घोषणा पत्र को केंद्र बिंदु बनाते हुए उसे पर प्रेसवार्ता की, पत्रकार वार्ता में प्रथम वक्तव्य बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने दिया। दूसरा वक्तव्य संगठन से जुड़े संजय श्रीवास्तव ने दिया पर वक्तव्य खत्म होने के बाद पत्रकारों के प्रश्न नहीं लिए गए। धरमलाल कौशिक ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र समाज को बांटने वाला है और तुष्टिकरण की राजनीति करता है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास ही यह है। वे अपने घोषणा पत्र में जो कहते हैं वह नहीं करते हैं। भारत के संविधान को असली खतरा कांग्रेस से ही हैं। आज तक देश के संविधान में जितने संशोधन हुए उन सब को कांग्रेस ने ही किया है। कोर्ट से प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विरुद्ध निर्णय आने के बाद उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया, उल्टे

आपातकाल लगाया। मीडिया के बोलने की स्वतंत्रता छिनी, नेताओं को जेल में डाला इस बार अपनी हार को सामने देखते हुए कांग्रेस फ्रि से अपने मूल चरित्र तुष्टीकरण पर आ गई । इस संदर्भ में हमने कांग्रेस के नेता बिलासपुर पूर्व विधायक शैलेश पांडे से बात की उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता अपने घोषणा पत्र से ज्यादा चर्चा कांग्रेस की घोषणा पत्र की करते हैं। इससे पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी को भारत का न्याय पत्र डरा रहा है। शैलेश जी ने कहा कांग्रेस का घोषणा पत्र पूरे विचार मंथन और पार्टी के वरिष्ठ संयोजक, नेता जिसमें टी एस सिंह देव जैसे नेता शामिल थे बना है। और देश की आर्थिक सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखकर, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, संविधान को अक्षुण्ण रखने वाला विचारों के साथ बना है। समाज को जाति, धर्म, रंग में बांटने वाली नियत सर्वविदित भाजपा की है। उनके नेता तो रंग से, वेशभूषा से पहचाने का दावा करते हैं। राज्यों में चुनी हुई सरकारों को दल बदल के माध्यम से गिरना भाजपा का कलंकित इतिहास है। गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल, बिहार ऐसे कई उदाहरण है। मुख्यमंत्री को चोरी छिपे सुबह 6:00 बजे के पूर्व शपथ दिलाना कैसे भूलया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड को अवैधानिक बोल देने के बावजूद क्या किसी ने इस्तीफा दिया। उलट इलेक्टोरल बॉन्ड को ठीक बताया जा रहा है। पूर्व विधायक ने यहां कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण जैसे जरूरी मुद्दों के बाद भारतीय जनता पार्टी की घबराहट दिख रही है। हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वयं कहा प्रधानमंत्री मिलने का समय दें। हम कांग्रेस का घोषणा पत्र उन्हें समझाएंगे पर समय नहीं दिया जा रहा है। उल्टे के चू आ के द्वारा इंडिया गठबंधन को परेशान किया जा रहा है।

बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के करकमलों से सपोस में रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज

बसना(समय दर्शन)। बसना विधानसभा मे रचनात्मक व सकारात्मक कार्य शैली से सुमार व नामचीन ग्रीन ग्राम सपोस में ग्रीन स्टार क्रिकेट क्लब के सौजन्य से रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने फीता काटकर कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने उद्घाटन समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, जिस तरह मनुष्य को जीवन जीने के लिए भोजन जरूरी है, ठीक उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल भी जरूरी है। खेल के माध्यम से आपस में भाईचारा बढता है। खेल भी शिक्षा का एक अंग है। खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। हारने वाले को जीतने के लिए तथा जीतने वाले को जीत बरकरार रखने के लिए खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि, क्रिकेट देश में काफी लोकप्रिय खेल है, और लगभग हर घर में इसके प्रेमी मिल जायेंगे। उन्होंने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अच्छा खिलाड़ी छोटे गांवों से भी निकल कर देश का नाम रोशन कर सकता है। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि सतपाल सिंह छाबड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश अग्रवाल, राजमहंत प्यारेलाल कोसरिया, जनपद सदस्यगण पुरुषोत्तम धृतलहरें, गुलापी धुबई, सरपंच बबीता बघेल, सरपंच प्रतिनिधि किशोर बघेल, उपसरपंच पूजा ठाकुर, साँकरा कार्यालय प्रभारी नरेन्द्र बोरे,पिथौरा कार्यालय प्रभारी छबिलाल रात्रे, ग्राम प्रमुख एवं गणमान्य गण नरोत्तम साहू, अश्वनी विशाल, सोनू छाबड़ा, रविशंकर बंजारा, कमलेश डड़सेना, विजय धृतलहरें, हरिचरण प्रधान, मोतीराम ध्रुव, संतोष ठाकुर,उषा धृतलहरें सहित ग्रामीण जन मौजूद थे।

ब्रह्माकुमारीज केलाबाड़ी दुर्ग में समर कैंप का शुभारंभ

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर कक्षा 7 से 8 के विद्यार्थियों के लिए शुभारंभ हुआ इस अवसर पर आ. एल. ठाकुर (संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग), डॉक्टर कृष्णा अग्रवाल (प्राचार्य आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग),ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा बहन व शिविर में आए हुए बच्चों के साथ अनेक पालकगण उपस्थित थे। शिविर के शुभारंभ में आगंतुक अतिथियों ,बच्चों व सभी पालकों का स्वागत करते हुए ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा बहन ने कहा यह सभा ऐसे लग रहा है जैसे बगीचे में फूलों की फुलवारी के बीच में हम बैठे हैं सभी बच्चों के चेहरे की मुस्कान से यहां का वातावरण भी खुशनुमा हो गया है। जीवन में सफ्लता के लिए शिक्षा के साथ-साथ और कई चीजें आवश्यक है। सफ्लता के लिए शिक्षा के साथ मन की शक्ति भी चाहिए मन यदि खुश ना हो तो पढ़ाई में भी मन नहीं लगता यह जो शिविर है विपरीत परिस्थिति में हम अच्छा कैसे सोचें उसके प्रशिक्षण के लिए यह आयोजन किया गया है जब यह शिविर पूरा होगा तो आप महसूस करेंगे की मुझमें कुछ नया परिवर्तन आया है । दुर्ग शिक्षा संभाग के संयुक्त संचालक आर. एल. ठाकुर ने बच्चों के सम्मुख अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर के आयोजक ब्रह्माकुमारी बहनों अतिथियों व पालकगण का व बच्चों का स्वागत है एजुकेशन अर्थात शिक्षा क्या है क्या पढ़ना-लिखना ही शिक्षा है आज बड़ी-बड़ी डिग्री ले लेते हैं तो सोचते हैं कि हम उच्च शिक्षित है किंतु शिक्षित बनना यह बहुत बड़ी चुनौती है यह इस शिविर में आने के बाद पता चला जब ब्रह्माकुमारी चैतन्य बहन ने बताया तो समझ आया कि हम सिर्फडिग्रीधारी हैं हम शिक्षित नहीं है शिक्षा अर्थात् डिग्री के साथ नैतिक मूल्यों का होना अति आवश्यक है इस तीन दिन में आप जान लेंगे की नैतिक मूल्यों का जीवन में कितना महत्व है । राष्ट्रपति पुरस्कार एवं अनेक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर कृष्ण अग्रवाल (प्राचार्य आदर्श कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय) नें बच्चों के सम्मुख अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि परीक्षा के उपरांत अभी जो समय सभी बच्चों को मिला है उसमें सभी को ऐसे महसूस हो रहा है कि अभी बिल्कुल फ्री है ? जब पढ़ाई करते हैं तो मन में यही रहता है कि पढ़ना है.. पढ़ना है ... पढ़ना है दूसरी चीज़ सीखने की ओर ध्यान नहीं जाता यह जो ग्रीष्मकालीन अवकाश का समय आप सभी बच्चों को मिला है उसका पूरा उपयोग करना है यहां पर जो भी चीज आपको सिखाई जाएगी वह कहीं ना कहीं आपके व्यक्तित्व को निखारेगी और जब हम कोई अच्छी चीज़ सीखतें हैं तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है और किसी भी कार्य को करने के लिए जीवन में आत्मविश्वास का होना अति आवश्यक है। आपने यहां सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन के विषय में बच्चों को बताया कि आपको आने वाले समय में जब यह ज्ञात होगा कि यह मेडिटेशन की शक्ति ही है जो मुझे हर विपरीत परिस्थितियों में विजय तक ले जाता है तब आज के दिन का महत्व समझ आयेगा । कुमारी धारणी बहन ने सभी बच्चों को सांगितिक व्यायाम कराया व कुमारी चंद्राणी और जागृति बहन ने मनमोहक नृत्य किया मंच संचालन अशोक सोनी द्वारा किया गया ।

सतनामी समाज ने राज्यपाल और निर्वाचन आयोग के नाम सौपा ज्ञापन

पाटन (समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा अपने चुनावी सभा में संबोधन में असंवैधानिक शब्द का प्रयोग किया है इससे सतनामी समाज में काफी आक्रोश है। जिस पर कार्रवाई के लिए तहसील सतनामी समाज पाटन ने राज्यपाल और निर्वाचन आयोग के नाम नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिंग को आज ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया गया है की एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई नही हुई तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में पाटन तहसील सतनामी समाज के अध्यक्ष संतराम कुर्रे, पूर्व अध्यक्ष शीत करण महिलवार, रमेश कुर्रे, दुर्गेश पाटिल, राजाराम गहीरवार, पप्पू जोशी, चेतन जोशी, आनंद , मनोज जोशी, दानेश मारकंडे, जनपद सदस्य खिलेश मारकंडे, पवन डहरे, हिंछा राम, शिव प्रसाद देशलहरे, भक्तुराम गायकवाड़, मुरली जोशी, मंशा राम कुर्रे, उत्तम सोनवानी, बालाराम कोसरे, डॉक्टर एफआर जोशी, दिलीप टंडन, पुरेंद्र जांगड़े सहित अन्य मौजूद थे।

मिडिल स्कूल अरेकेल में परीक्षा परिणाम घोषित,छात्र -छात्राएं हुए प्रसन्न

- शिक्षा सामने आने वाली समस्याओं को समझने व हल करने में मदद करता है-पी.सी. साव

बसना (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल में सत्र 2023-24 का वार्षिक परीक्षा परिणाम प्रधान पाठक हीराधर साव, प्रेमचन्द साव, राजकुमार निषाद, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष साहेब दास,उपाध्यक्ष नारद नेताम की उपस्थिति में घोषित कर छात्र-छात्रों को प्रगति पत्रक वितरित किया गया।विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा। इस सत्र में कुल 68 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत् थे।कक्षा छठवीं से राहुल यादव 96.8 प्रतिशत,कु.प्रभा यादव 81.1,कु.लावनिया चौहान 77.6, मयंक भोई 74.8,कक्षा सातवीं से कु.वर्षा यादव 91.16,कु.कुंती साव 86.16,कु.सुहाना दास 85.33,कु.पूनम साव 84.83, शिवम् देवांगन 81.83 कक्षा आठवीं से

कु.पुष्पांजली यादव 96, कु.ज्योति साव 93.3,कु.उर्वशी देवांगन 87.6,कु.गितिका दास 86.3,कु.सुहानी जगत 82 प्रतिशत के साथ क्रमश:प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम स्थान पर रहे। सभी छात्र -छात्राओं को सभी शिक्षकों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया । आठवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष साहेब दास ,उपाध्यक्ष नारद नेताम, ईश्वर डड़सेना द्वारा प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को आकर्षक पारितोषिक प्रदान किया गया एवं घोषणा किया गया कि,मेधावी बच्चों को प्रतिवर्ष पुरस्कृत किया जावेगा । इस अवसर पर शाला परिवार की ओर से फ्ल,मिष्ठान्न,स्वल्पाहार व केक काटकर वितरित किया गया। बाल संसद के प्रभारी एवं नवोदय क्रांति परिवार भारत के छत्तीसगढ़ प्रमुख शिक्षक प्रेमचन्द साव ने कहा कि, शिक्षा कमजोरी को ताकत में बदलने की कुंजी है। यह हमारे सामने आने वाली समस्याओं को समझने के लिए विभिन्न उपकरण और विद्वता प्रदान करता है,तथा समस्याओं को हल करने में मदद करता है। शिक्षा हमें सही निर्णय लेने की सीख प्रदान करती है। प्रभारी प्रधान पाठक हीराधर साव ने कहा कि शिक्षा ही मनुष्य को संपूर्ण व्यक्तित्व का धनी बनाता है।अंत में राजकुमार निषाद ने कहा कि शिक्षा लोगों को अपने अंदर मजबूत नैतिकता और नैतिक मूल्यों को विकसित करने में मदद करती है।सत्र के अंतिम दिवस कक्षा छठवीं, सातवीं एवं शिक्षकों द्वारा कक्षा आठवीं के छात्र -छात्राओं को नवमीं कक्षा में अध्ययनरत करने हेतु विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया।इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत, गायन का आयोजन किया गया।मिडिल स्कूल अरेकेल में बिताए महत्वपूर्ण तीन वर्षों को कक्षा आठवीं के छात्रों द्वारा विद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षकों के व्यवहारों के बारे में अपने-अपने विचारों को अभिव्यक्त किए।आठवीं के छात्रों द्वारा शाला परिवार को गतिविधियों आधारित फ्लेक्स एवं छठवीं,सातवीं के छात्रों द्वारा आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को पेन,पेंसिल एवं अन्य सामग्री प्रदान किया गया। सभी छात्रों को सभी विषयों का ग्रीष्मकालीन सत्रीय कार्य दिया गया।इस अवसर पर काफी संख्या में छात्र-छात्राएं,पालकगण एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।परीक्षा परिणाम पाकर छात्र -छात्राएं काफी प्रसन्न हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26